दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

KNLS Live

सम्पर्क करें-9027776991

न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999' में

न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 175 मुरादाबाद, 14 October 2023 (Saturday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने किया सीएम आवास के घेराव का प्रयास, 66 दिन से दे रहे थे धरना

काफी संख्या में आज अभ्यर्थी सीएम से मिलने के लिए उनके आवास पहुंचे। रणनीति के तहत अभ्यर्थी पुलिस को चकमा देते हुए अलग-अलग दिशा से आए। इसी बीच कु छ महिला अभ्यर्थी गेट के पास बैरिकेटिंग तक पहुंच गईं। 69000 शिक्षक भर्ती में एक नंबर से नियुक्ति से वंचित अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को सीएम आवास का घेराव करने का प्रयास किया। कुछ महिला अभ्यर्थी बैरिकेटिंग तक पहुंच गईं,

हालांकि पुलिस ने सभी को पकड़ लिया और ईको गार्डेन पहुंचा दिया। काफी संख्या में आज अभ्यर्थी सीएम से मिलने के लिए उनके आवास पहुंचे। रणनीति के तहत अभ्यर्थी पुलिस को चकमा देते हुए अलग अलग दिशा से आए। इसी बीच कुछ महिला अभ्यर्थी गेट के पास बैरिकेटिंग तक पहुंच गई। वहा उपस्थित महिला पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया

और जबर्दस्ती जीप में बैठाकर ईको गार्डेन ले जाया गया। अन्य अभ्यर्थियों को भी ईको गार्डेन पहुंचा दिया गया। पुलिस ने उनकी बात सुनकर सीएम से मुलाकात का आश्वाशन दिया है। बृहस्पतिवार को ही इन अभ्यर्थियों ने बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह के आवास का भी दोबारा घेराव किया था। अभ्यर्थी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार उनके परिणाम में एक नंबर जोड़कर फिर से रिजल्ट जारी करने और नियुक्ति देने की मांग कर रहे हैं।

इसके लिए वह 66 दिन से ईको गार्डेन में धरना दे रहे हैं। अभ्यर्थी दुर्गेश शुक्ला ने कहा कि कल जब उनके प्रतिनिधिमंडल की महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरन आनंद से वार्ता हुई तो उन्होंने दबाव देकर धरना समाप्त करने को कहा जिससे अभ्यर्थियों में नाराजगी है

और वह सीएम से मिलकर अपनी बात रखना चाहते हैं। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी विभाग में उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

संघर्ष की वजह से दुनिया संकटों से जूझ रही, यह किसी के हित में नहीं, पी-20 समिट में बोले PM मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि करीब 20 साल पहले आतंकवादियों ने हमारी संसद को निशाना बनाया था। उस समय संसद का सत्र चल रहा था और आतंकवादियों की मंशा सांसदों को बंदी और उनको खत्म करने की थी। दुनिया को भी एहसास हो रहा है कि आतंकवाद दुनिया के लिए कितनी बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को

यशोभूमि अधिवेशन केंद्र में जी20 के सदस्य देशों की संसदों के पीठासीन सभापतियों (पी20) के नौवें सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह समिट एक प्रकार से दुनिया भर की अलग-अलग संसदीय प्रथाओं का महाकुंभ है। आप सभी प्रतिनिधि अलग-अलग संसदीय कार्यशैली के अनुभवी हैं। आपका इतने समृद्ध लोकतांत्रिक अनुभवों के साथ भारत आना हम सभी के लिए बहुत सुखद है। पीएम मोदी ने इस्त्राइल में उपजे संकट का नाम लिए बिना कहा कि दुनिया के अलग कोनों में जो कुछ भी घट रहा है, उससे आज कोई भी अछूता नहीं है। संघर्ष की वजह से आज दुनिया संकटों से जूझ रही है। यह किसी के भी हित में नहीं है। मानवता के सामने जो बड़ी चुनौती है, उसका समाधान बंटी हुई दुनिया नहीं दे सकती। यह शांति और भाईचारे का समय है। साथ आगे बढ़ने का समय है। यह सबके विकास और कल्याण का समय है। हमें वैश्विक विश्वास के संकट को दमर करना होगा और मानव केंद्रित सोच पर आगे बढ़ना होगा। हमें विश्व को एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य के साथ आगे बढ़ाना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि करीब 20 साल पहले आतंकवादियों ने हमारी संसद को निशाना बनाया था। उस समय संसद का सत्र चल रहा था और आतंकवादियों की मंशा सांसदों को बंदी और उनको खत्म करने की थी। दुनिया को भी एहसास हो रहा है कि आतंकवाद दुनिया के लिए कितनी बड़ी चुनौती है। आतंकवाद जहां भी होता, किसी भी कारण, किसी भी रूप में होता है, वह मानवता के विरुद्ध होता है। ऐसे में आतंकवाद को लेकर हम सभी को सख्ती बरतनी होगी। आतंकवाद की परिभाषा को लेकर आम सहमति ना बन पाना बहुत दुखद है। आज भी हृ भी इसका इंतजार कर रहा है। दुनिया के इसी रवैया का फायदा मानवता के दुश्मन उठा रहे हैं। दुनिया भर के प्रतिनिधियों को सोचना होगा की आतंकवाद के खिलाफ हम कैसे काम कर सकते हैं। %आप सभी प्रतिनिधि अगले साल होने वाले आम चुनावों को जरूर देखें% क्रू मोदी ने कहा, %अगले साल भारत में फिर एक बार आम चुनाव होने जा रहा है। मैं क्र20 शिखर सम्मेलन में आए आप सभी प्रतिनिधियों को अगले साल होने वाले आम चुनाव को देखने के लिए अग्रिम निमंत्रण देता हूं। भारत को आपकी फिर से मेजबानी करने में बहुत खुशी होगी।

हम लोग आम चुनाव को सबसे बड़ा पर्व मानते हैं- पीएम

उन्होंने कहा कि भारत में हम लोग आम चुनाव को सबसे बड़ा पर्व मानते हैं। 1947 में आजादी मिलने के बाद से अब तक भारत में 17 आम चुनाव और 300 से अधिक विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव ही नहीं कराता, बल्कि इसमें लोगों की भागीदारी भी बढ़ रही है। देशवासियों ने मेरी पार्टी को लगातार दूसरी बार विजयी बनाया है। 2019 का आम चुनाव मनाव इतिहास की सबसे बड़ी मानव कसरत थी। इसमें 60 करोड़ वोटर ने हिस्सा लिया। तब भारत में 91 करोड़ पंजीकृत मतदाता थे, जो पूरे यूरोप की कुल आबादी से अधिक है। यह दिखाता है कि भारत में लोगों का संसदीय प्रक्रियाओं में कितना भरोसा है।

ओम बिरला ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया

इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 9वें जी20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20) में प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने सम्मेलन (पी20) को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये अत्यंत गौरव का विषय है कि भारत की अध्यक्षता में जी 20 लीडर समिट में नई दिल्ली डिक्लेरेशन को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। ये भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभावशाली नेतृत्व और वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है। ये वैश्विक चुनौतियों पर जी 20 देशों की एकजुटता और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। पी 20 सम्मेलन लोकतांत्रिक मुल्यों अंतरराष्ट्रीय संयोग तथा वैश्विक महत्व के विषयों एंव समकालीन चुनौतियों के समाधान से साझा संसदीय प्रयासों के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। लोकतंत्र हमारी सबसे अमूल्य विरासत है। लोकतंत्र हमारी जीवनशैली, आचार, विचार, व्यवहार में है। एक तरह से ये हमारी संस्कृति और संस्कार में आत्मसात है। प्रधानमंत्री के कार्यालय के मुताबिक, भारत की जी20 की अध्यक्षता की व्यापक रूपरेखा के तहत संसद द्वारा सम्मेलन की मेजबानी की जा रही है। भारत की जी20 की अध्यक्षता की तरह ही नौवें पी20 सम्मेलन की थीम 'एक पृथ्वी, एक कुटुंब, एक भविष्य के लिए संसद' है।

ओम बिरला ने प्रतिनिधियों

www.knlslive.com

सेवानिवृत्त शिक्षकों की लें सेवाएं

सीएम योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 219 प्रधानाचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य शिक्षण संस्थान की रीढ़ होते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब तक नए शिक्षकों की नियुक्ति न हो जाए तब तक सेवानिवृत्त शिक्षकों से ही सेवाएं ली जाएं। उन्हें एक फिक्स मानदेय दिया जाए। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में माध्यमिक शिक्षा के कॉलेज नकल के अड्डे बन गए थे, जिनमें ठेके पर नकल कराई जाती थी। पिछले छह वर्षों में इसमें सुधार हुआ है। गत वर्ष माध्यमिक शिक्षा परिषद के द्वारा संपन्न हुई हाई स्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड की परीक्षा देश में एक नजीर बनी है। परिषद ने 15 दिन के अंदर 56 लाख विद्यार्थियों की नकलविहीन परीक्षा कराई और 15 दिन के अंदर ही परिणाम भी दे दिया। सीएम योगी ने शुक्रवार को लोकभवन में मिशन रोजगार के अंतर्गत उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 219 प्रधानाचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानाचार्य शिक्षण संस्थान की रीढ़ होते हैं। अगर प्रधानाचार्य अनुशासित रहकर कॉलेज में नई गतिविधियों और नवाचारों को बढ़ावा देते हैं तो उसके सार्थक परिणाम सामने आते हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानाचार्यों को विद्यालयों को रचनात्मक गतिविधियों का केंद्र बनाकर अभिभावकों से संवाद करना चाहिए। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ देश-दुनिया और युवा कल्याण एवं महिला कल्याण से जुड़ी सरकार की योजनाओं के बारे में भी जानकारी देनी चाहिए। इससे विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ-साथ जागरुकता भी आती है और प्रधानाचार्य का कार्यकाल भी यादगार बनता है। सीएम योगी ने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां पिछली सरकारों में सुरक्षा में सेंध लगती थी। प्रदेश के नागरिक अपने आपको सुरक्षित नहीं महसूस कर पाते थे। अव्यवस्था और अराजकता का वातावरण होता था। दंगे और भ्रष्टाचार यहां की पहचान थे। निवेशक प्रदेश छोड़कर जा रहे थे। हमारी सरकार ने जब सुरक्षित माहौल दिया तो प्रदेश को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से 38 लाख करोड़ रुपये का निवेश का प्रस्ताव प्राप्त हुआ। इससे एक करोड़ से ज्यादा युवाओं को नौकरी मिलेगी। उन्होंने कहा कि विगत छह वर्ष में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से हमारी सरकार छह लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने में सफल रही है। इसमें 164000 शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का केंद्र है। देश में सबसे ज्यादा आध्यात्मिक पर्यटन यहीं है, जिसमें भारी बढ़ोतरी हुई है। 2017 के पहले तक उत्तर प्रदेश में सिर्फ डेढ़ से दो करोड़ पर्यटक ही आते थे। आज यह संख्या बढ़कर एक वर्ष में 30 करोड़ पर्यटकों की हो चुकी है। प्रदेश में एक पर्यटक के आने से विभिन्न तरह के रोजगार सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर सामूहिक रूप से प्रयास किए जाएं तो उत्तर प्रदेश देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके हर क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति को अपने स्तर पर कार्य करने होंगे। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा का केंद्र रहा है। आजादी के समय देश के विभिन्न राज्यों में शिक्षकों की आपूर्ति उत्तर प्रदेश करता था। हमें फिर से उस दिशा में प्रयास करते हुए अनुशासित और राष्ट्र भक्त नागरिकों की फौज खड़ी करनी होगी। कार्यक्रम में माध्यमकि शिक्षा की राज्यमंत्री गुलाबो देवी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अपर मुख्य सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार, शिक्षा विभागी के अधिकारी और चयनित प्रधानाचार्य मौजूद थे।

राहुल, प्रियंका लगातार जनता से बोल रहे झूठ, शिवराज सिंह ने कांग्रेस पर साधा निशाना

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के चुनावी वादों को लेकर कांग्रेस पार्टी पर सवाल उठाया है। शिवराज ने कहा कि वे (कांग्रेस) राहुल गांधी और प्रियंका गांधी लगातार झूठ बोल रहे हैं लेकिन जनता सब जानती है। बीते दिनों कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी मध्य प्रदेश पहुंची हुई थी। इस दौरान प्रियंका गांधी ने कई चुनावी घोषणाएं भी की। वहीं अब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रियंका गांधी के वादों को लेकर सवाल उठाए हैं। शिवराज ने कहा कि वे (कांग्रेस) राहुल गांधी और प्रियंका गांधी लगातार झूठ

बोल रहे हैं लेकिन जनता सब जानती है। शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्य की राजधानी भोपाल में पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की।सीएम चौहान ने कहा, मैंने वह वीडियो देखा है जिसमें कल प्रियंका गांधी से घोषणाएं करने के लिए कहा गया था। उन्होंने कई घोषणाएं कीं लेकिन उन्होंने (कांग्रेस) उनसे एक और घोषणा करने को कहा। उन्होंने वादा किया कि कक्षा 1 से 12 तक शिक्षा मुफ्त होगी। पूर्व सीएम कमल नाथ ने उन्हें सुधार के लिए टोका। प्रियंका गांधी ने की थी कई चुनावी घोषणाएं इसके बाद उन्होंने कक्षा 1 से कक्षा 8 तक 500 रुपये, कक्षा 9 और 10 तक 1000 रुपये और कक्षा 11 और 12 तक 1500 रुपये सालाना भत्ते की घोषणा की। तब कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने उन्हें फिर से सुधारते हुए कहा कि यह मासिक है, वार्षिक नहीं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस वोट के लिए झूठ बोल रही है। पहले भी (2018 विधानसभा चुनाव के दौरान) राहुल गांधी ने वादा किया था कि 10 दिनों के भीतर सभी ऋण माफ कर दिए जाएंगे। वे (कांग्रेस) उन्हें (राहुल और प्रियंका) झूठे वादे करने के लिए मजबूर कर रहे थे। यह लोगों को भ्रमित कर वोट लेने की कांग्रेस की नीति थी। शिवराज ने कमलनाथ पर साधा निशाना- इस बीच, कांग्रेस पार्टी के आखिरी घोषणापत्र के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस के आखिरी घोषणापत्र में कई वादे थे, जिसमें उन्होंने (कांग्रेस) कहा था कि छात्रों को वर्दी, पाठ्यपुस्तकें और उच्च गुणवत्ता वाली पठन सामग्री मुफ्त प्रदान की जाएगी। उन्होंने इसकी घोषणा की, लेकिन लैपटॉप देना बंद कर दिया जो मामा (खुद का जिक्र) उन्हें दे रहे थे, साइकिल देना बंद कर दिया, मेधावी विद्यार्थी योजना रोक दी और बच्चों की फीस भी नहीं भर सके। चौहान ने कमल नाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर भी कटाक्ष किया और कहा कि गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत भेजे गए घर वापस लौट आए। पढ़ो-पढ़ाओ योजना की घोषणा सीएम चौहान ने आगे कहा, जिन लोगों ने पीएमएवाई के मकान छीन लिए, जिन्होंने बच्चों से लैपटॉप और साइकिलें छीन लीं, जिन्होंने बच्चों की फीस छीन ली। वे लोगों को ठगने के लिए फिर से यहां आ गए हैं। यह कांग्रेस का झूठ है। वे राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से लगातार झूठ बोल रहे हैं लेकिन जनता सब जानती है।इससे पहले गुरुवार को मध्य प्रदेश के मंडला जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कांग्रेस की पढ़ो-पढ़ाओ योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा, पढ़ो-पढ़ाओ योजना के तहत कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के छात्रों को 500 रुपये की मासिक सहायता दी जाएगी। इसी तरह, कक्षा 9 और कक्षा के छात्रों को 1000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को 1500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।

संपादकीय Editorial

Fastest economy

It has once again been verified that India is the fastest and growing economy among the major economies of the world. Based on its assessment, the International Monetary Fund has predicted that the growth of the Indian economy will be 6.3 percent in 2023-24. China will be in second place with 5 percent increase. Next year our economic growth rate will remain at this level, while China's may fall to 4.2 percent. IMF chief economist Pierre-Olivier Gourinchas wrote in a blog that the global economy is limping. There is no question of speed. The Monetary Fund expects global GDP growth to be only 3 percent in 2023. Now if the world economy is seen as a whole, it has not even touched the pre-Corona situation. India's economy has shown clear signs of resilience and rebound. Comparison of economic growth rates of India and China is relevant because both are neighboring and rival countries, but there is a difference of 5 times in their GDP. China's GDP is 17.7 trillion dollars, hence China's contribution to the global economy is relatively high. India's GDP is currently around 3.75 trillion dollars. According to a recent report by Barclay, India's growth rate should be 8 percent for a few years, so that it can overtake China in terms of global contribution. We will have to face structural challenges in view of the growth rate going from 6.3 percent to 8 percent.

Indian Government data clearly shows that from pre-Corona 2018-19 to 2022-23, a part of the workforce has returned to agriculture. It is now the least productive sector in terms of economy. For example, if a family is in the business of agriculture, then other family members can also join agriculture in the absence of any other employment or job. What benefit can this bring to the growth and pace of the economy? The additional income of the farmer family will also not increase. Since the workforce in the manufacturing sector was laid off due to the Corona epidemic and lockdown. Jobs were lost or related employment was also lost, as a result people became involved in agriculture in order to find some work. In 2022-23, only 11.4 percent of the workforce was in the manufacturing sector. This also affected the personal consumption and consumption of the common man. It could not be expanded. This is the largest part of any emerging and developing economy. Many will be surprised at India's economic growth rate, because there are many concerns about the Indian economy. If private consumption is decreasing, then of course demand will also decrease, then how is growth in the economy possible? When India's economy is growing fast, it should get more support globally. Demand for Indian products should increase, Indian services and utilities should expand, but if economies globally continue to decline or the growth rate is negligible, then India too will not be able to get the benefits of a booming economy. Barclay suggests that investment should be increased in more traditional sectors, including mining and utilities. They will make economic activities faster and wider. Currently, more attention is being given to technology and capital intensive manufacturing sectors. In the last few years, the labor force has been consumed more in the construction sector and has decreased in manufacturing, hence there should be structural changes.Barclay suggests that investment should be increased in more traditional sectors, including mining and utilities. They will make economic activities faster and wider. Currently, more attention is being given to technology and capital intensive manufacturing sectors. In the last few years, the labor force has been consumed more in the construction sector and has decreased in manufacturing, hence there should be structural changes.

Way to live in search

On the basis of its decisions, Himachal Government is marking many things in the repair of mirrors and strengthening of new mirrors, which is underlining the need of the hour for the future. Obviously, the areas of duty for the government have increased after a natural disaster. Earlier, the floors were standing in gratitude of the public for the election victory, but now the challenge has come to write the destiny again on the sand of the roads. That is why the Cabinet, while strengthening the relief works, wants to show the rain of its package to the damaged houses and courtyards, so that the devastated families can again live under the roof with self-respect and with self-reliance. As Himachal is learning to live after the disaster, the new responsibility of guarding and guiding is being reflected in the role of the government. The cabinet meetings reveal the reformist stance of the Sukhu government and this time also its contribution in making the path of the people easier by changing the steps announced is clear. Especially to break the transfer stay of the Education Department, now there will be mention of relaxation of ten kilometers out of the forty kilometer radius. The policy of acquisition of private institutions which has been going on since 1994 is also being withdrawn. The government wants to encourage community radio to develop information system on the map of Himachal in disaster situations, but due to some reasons till date the efforts to obtain their licenses for universities and big educational institutions have either failed or have been rejected by the management administration. Appropriate steps were not taken in this direction. A decision of the government is setting the limit of building construction within the ravines and rivers and drains and imposing a restriction of seven meters from practical point of view. Of course, these restrictions are the need of the hour, but to write the story of Navnirman in Himachal in a completely restrained, balanced, disciplined and as per rules, the Village and Town Planning Act will have to be strengthened in the true sense. This law is not only being flouted, but in the name of the law it is also being pulled in the eyes. The irony is that the same cabinet which is imposing restrictions near rivers and drains is also opening the locks of Shimla's green belt. Both these decisions cannot be correct on the same ground and conditions. To the extent that civil and public development is responsible for natural disasters, state-level implementation of the TCP Act becomes essential. If urban development planning is necessary for the capital Shimla, then it should also be mandatory for every village of Sirmaur, Bharmour or Kinnaur. Even the ravines in the village are blaming the civil society for their enormity, while the way cement and concrete are being sown unnecessarily on the fields, the drainage has now started trampling every bit of the mountain. Rural roads are fed up with the emerging markets or new settlements on their banks, because due to the chaotic construction, JCB has now snatched away land from the mountains, snatching away the picture of natural balance. While the Cabinet has found 2061 Van Mitras in the Forest Department in its list of new employment opportunities, it is converting its assurance into confidence by increasing the honorarium of water guards, multi-purpose workers, para fitters and para pump operators stuck in the minor role of Jal Shakti Department. . The powers of traffic challan have undoubtedly reached the lower level of the post, but it remains to be seen how many steps are taken in terms of facilities and options in the traffic system. In this regard, a promising signal is coming from the Chintpurni Ropeway Project in the Cabinet. Now devotees will reach Chintpurni temple from Baba Mai Das Bhawan parking through the proposed ropeway to be built at a cost of Rs 76.50 crore. This concept will also be effective for some other temples including Jwalaji, Deyotsiddh. We have been demanding ropeway from Shahtalai-Deotsiddh, Kangra and Jwalaji bus stand to the temple many times in these columns. In fact, if every temple site is developed as a religious city, then the economy will also develop through tourist facilities.

The sting of having daughters

If the society wants, it can stop it because the society does not allow anyone to do this work by entering the temple and these spoiled boys also believe this. Whether it is to organize a langar at the place of their religion, to organize a fair or to take out a procession, they come together on the same voice of religion. The slogan of 'Beti Bachao, Beti Padhao' is raised very loudly but the atmosphere in the society is such that Save the daughter, kidnap her, trample her and leave her crying or dying. In Palwal city of Haryana, near Delhi, a school going girl of 11th class was kidnapped and raped by three boys and then left her and ran away. What does the police do in this, what does the law say, whether the culprits are punished or not, whether the victims get a rightful place in the society or not, in reality these are different things. The main thing is that what kind of society is this which gives courage to the boys who have just become young to take such risks. This courage comes from homes. This courage cannot be found in TV, newspapers or crime stories. The boys from those homes who commit such crimes on the fly, in which they do not get any money, only get a few minutes of happiness, they come from those homes where this matter is frowned upon even if there are sisters and daughters in their own home. Every such man is confident that he will not let anything happen to his own daughter or sister, but no matter what he does to a girl from outside, nothing will happen to her. If the society wants, it can stop it because the society does not allow anyone to do this work by entering the temple and these spoiled boys also believe this. Whether they want to organize a langar at the place of their religion, organize a fair or take out a procession, they come together on one voice of religion. When religion has so much power then why can't it tell these perverts not to even look at a girl unless there is complete consent. In fact, religion wants girls to be harassed because only then will they find sole refuge in God, Allah Ishwar, and if it gets into their minds that they have been polluted, then the shopkeepers of religion get ready customers. Many such girls take shelter in some ashram where they don't know what happens.

Office politics can take away the happiness of life

If your boss doesn't know what great work you're doing, he or she won't be impressed. You should meet your boss regularly and update him about the progress in your work. If you promote yourself, you get a good image in everyone's eyes. While mentioning your achievements, you should also mention the colleagues who helped you achieve your goals. This helps you develop good relations with those colleagues. Whatever you say at the workplace, it definitely reaches the boss. If you remain silent when someone speaks ill of another colleague, it sends the message that you do not want to be a part of gossip. This creates your image as a person who stays away from gossip. If you do your own thing at the workplace and do not follow the rules, then you become a bad person in the eyes of people. In our society, the person who walks in a different direction is considered bad. So don't try to prove yourself different. Don't exaggerate your lifestyle to the world. If you want to stay away from workplace politics, then you should not speak ill of anyone. You should establish the best relationships. By speaking ill of people, people also start speaking ill of you and even if you are not at fault, you start being discussed everywhere. You should be ready to help every person. You must acquire skills and knowledge that others do not have. This will increase your importance at the workplace. If you remain useful to your companions, no one will bother you. If you behave undisciplined in the eyes of people, they will make plans to remove you from the job. Will try to impress the boss by using salt and pepper against you. Due to this, you will become mentally stressed and your attention will deviate from your work. Therefore, you should always behave like a disciplined professional in the office or work area. Special attention should be paid to the targets and deadlines given by the boss. If you want to be successful in your career, it would be better to stay away from the politics going on at the workplace. Many people will just ask you to move ahead and when the time comes, they will blame you and start distancing themselves from you. You will find one or two sycophants everywhere. For them, flattery matters more than less. Those people will always talk about other people. So don't try to prove yourself different. Don't exaggerate your lifestyle to the world. If you want to stay away from workplace politics, then you should not speak ill of anyone. You should establish the best relationships. By speaking ill of people, people also start speaking ill of you and even if you are not at fault, you start being discussed everywhere. You should be ready to help every person. You must acquire skills and knowledge that others do not have. This will increase your importance at the workplace. If you remain useful to your companions, no one will bother you. If you behave undisciplined in the eyes of people, they will make plans to remove you from the job. Will try to impress the boss by using salt and pepper against you. Due to this, you will become mentally stressed and your attention will deviate from your work. Therefore, you should always behave like a disciplined professional in the office or work area. Special attention should be paid to the targets and deadlines given by the boss. If you want to be successful in your career, it would be better to stay away from the politics going on at the workplace. Many people will just ask you to move ahead and when the time comes, they will blame you and start distancing themselves from you. You will find one or two sycophants everywhere. For them, flattery matters more than less. Those people will always talk about other people. sed everywhere. You should be ready to help every person. You must acquire skills and knowledge that others do not have. This will increase your importance at the workplace. If you remain useful to your companions, no one will bother you. If you behave undisciplined in the eyes of people, they will make plans to remove you from the job. Will try to impress the boss by using salt and pepper against you. Due to this, you will become mentally stressed and your attention will deviate from your work. Therefore, you should always behave like a disciplined professional in the office or work area. Special attention should be paid to the targets and deadlines given by the boss. If you want to be successful in your career, it would be better to stay away from the politics going on at the workplace. Many people will just ask you to move ahead and when the time comes, they will blame you and start distancing themselves from you. You will find one or two sycophants everywhere. For them, flattery matters more than less. Those people will always talk about other people. Often one would be seen talking on a mobile phone from a long distance away. Therefore, you will have to identify right and wrong yourself. One should not take decisions under the influence of others. You are well aware of the service conditions of your appointment. Be careful. Office politics does not achieve anything, rather it takes away the happiness of life. Interested in writing on contemporary issues.- **Dr. Nandkishore Sah**

असुविधा से बचने के लिए समय से टैक्स जमा करें, अधिकारियों ने किया समस्याओं का समाधान

मुरादाबाद- जोनल टैक्स बार की ओर से गुरुवार को रामगंगा विहार स्थित जीएसटी कार्यालय में विधिक परिचर्चा आयोजित की गई। इसमें एडिशनल कमिश्नर ग्रेड-1 कामेश्वर प्रसाद वर्मा ने कहा, जीएसटी की ओर से जो भी नोटिस जारी किए जाएंगे, फाइल को पूरी तरह देखने के बाद ही जारी होंगे। जिससे व्यपारियों का शोषण न हो और उन पर वित्तीय भार भी न पड़े। यदि व्यापारी समय से टैक्स और रिटर्न जमा करते हैं, उन्हें जीएसटी विभाग से कोई परेशानी नहीं होगी। व्यापारियों को जीएसटी रिटर्न और टैक्स जमा करने में आ रही समस्याओं का अधिकारियों ने किया समाधान जोनल टैक्स बार की विधिक परिचर्चा में मुख्य जीएसटी वक्ता वीर सिंह वर्मा ने जीएसटी के सेक्शन 67, 68, 70, 73, 74 आदि पर विस्तार से अधिवक्ताओं का ज्ञान वर्धन किया। उन्होंने कहा कि विभाग से जो भी नोटिस व्यपारियों के पास आए, उसका समय से जवाब दें। यदि कोई टैक्स बाकी निकल रहा है तो समय से ब्याज सहित टैक्स जमा करा दें।

जिससे भविष्य में कोई असुविधा न हो। उन्होंने जीएसटी की समस्याओं के निराकरण की जानकारी दी। कहा कि जिन व्यपारियों को ई-इनवॉइस बनानी है, वह समय से बनाएं। जिससे उनके क्रेता व्यापारी को इनपुट टैक्स का लाभ मिल सके। क्योंकि ऐसा न करने पर क्रेता व्यापारी इनपुट टैक्स लाभ से वंचित हो जाएंगे। एडिशनल कमिश्नर ग्रेड 2 अपील अनुपमा गोयल, जॉइंट कमिश्नर कॉरपोरेट रश्मि ने भी अधिवक्ताओं को विभाग के कानून व नियमों की बारीकियां बताईं। इस दौरान जोनल टैक्स बार एसोसिएशन से सैयद आरिफ अली, मनीष कुमार अग्रवाल, गुफरान माजिद, संजीव बिहारी भटनागर, दीपक कुमार गुप्ता, राकेश शर्मा, अनुज गुप्ता, गौरव गुप्ता, मुरादाबाद टैक्स बार एसोसिएशन से राजकमल रस्तोगी, शैलेश कौशिक, टैक्स बार एसोसिएशन से अनुराग सिंह, जिया जमीर आदि उपस्थित रहे।

विमानों की उड़ान को आखिरी अड़चन भी दूर, लाइसेंस का इंतजार

मुरादाबाद- डीजीसीए की टीम ने 23-25 अगस्त तक किया था निरीक्षण, पहले चरण में 19 सीटर विमान सेवा लखनऊ, बरेली, बेंगलुरू आदि के लिए शुरू होगी मूंढापांडे के भदासना हवाई अड्डे से बरेली, दिल्ली, बेंगलुरु के लिए विमानों की उड़ान में सुरक्षा व अन्य खामियों को दूर कर आखिरी अड़चन भी दूर कर ली गई है। अब केवल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से लाइसेंस का इंतजार है। पहले चरण में यहां से 19 सीटर विमान सेवा शुरू होगी। दो साल से मूंढापांडे के हवाई पट्टी को विकसित कर हवाई अड्डा के रूप में बनाने का काम पूरा होने के बाद विमानों के उड़ान की हरी झंडी का इंतजार लोगों को है। यहां कई बार टीमें आईं और गईं। लेकिन, हरी झंडी नहीं मिली। इस साल 23-25 अगस्त तक डीजीसीए की टीम ने सुविधाओं को परखा था। टीम में शामिल विशेषज्ञों उप निदेशक सुनील राठी, संयुक्त निदेशक सीमा, नरेश मीना, हरि कुमार, जीएम एयरोड्रम लाइसेंसिंग एलडी मोहंती आदि ने टर्मिनल भवन, रनवे, कंट्रोल रूम एयर कंट्रोल ट्रैफिक सिस्टम, सुरक्षा, आपरेशनल बिंदुओं की कमी बताकर इसे जल्द दूर कराने का निर्देश देते हुए सैद्धांतिक रूप से विमानों की उड़ान को हरी झंडी दे दी थी। जिसके बाद उड़ान शुरू होने की उम्मीद जग गई। लेकिन, टीम के द्वारा गिनाई गई कमियों को दूर कर हवाई अड्डा प्राधिकरण ने रिपोर्ट भेजी तो उसमें भी कुछ तकनीकी कमी डीजीसीए मुख्यालय से लग गई। जिससे अक्टूबर के पहले सप्ताह में उड़ान शुरू होने की उम्मीद धूमिल हो गई। अब हवाई अड्डा प्राधिकरण ने आखिरी कमियों को भी दूर कर रिपोर्ट भेज दी है। इसके बाद सभी की निगाहें उड़ान के लिए डीजीसीए निदेशालय से लाइसेंस जारी होने पर टिक गई है। यहां से विमान सेवा शुरू होने से पीतलनगरी के निर्यातकों, शिल्पकारों को देश के अन्य प्रमुख स्थानों से सीधा जुड़ाव होगा। जिसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने भी ली है रूचि

मुरादाबाद के भदासना हवाई अड्डे से विमान सेवा शुरू करने में खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रूचि ली तो स्थानीय प्रशासन भी जुट गया। शासन के अपर मुख्य सचिव ने यहां औचक निरीक्षण कर काम को जल्द पूरा कराने के निर्देश दिया था।

कमियों को हवाई अड्डा प्रशासन ने कर लिया है दूर

अगस्त में आई डीजीसीए की टीम के द्वारा बताई गई कमियों को हवाई अड्डा प्राधिकरण ने दूर कर रिपोर्ट निदेशालय को भेज दी है। आखिरी अड़चन भी दूर हो गई है। अब डीजीसीए के महानिदेशक के द्वारा लाइसेंस जारी होने का इंतजार है। इस महीने के अंत तक लाइसेंस मिलने की पूरी उम्मीद है। गुलाब चंद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं नोडल हवाई अड्डा

जीआरपी ने पकड़ा 50,000 का इनामी, हत्या मामले में चल रहा था फरार

मुरादाबाद- साल 2009 में पेशी पर जाने के दौरान काठगोदाम एक्सप्रेस से हो गया था फरार काशीपुर (उत्तराखंड) में 2004 में हुई हत्या में दोषसिद्ध को रेलवे पुलिस ने गुरुवार को शाहजहांपुर से पकड़ लिया। 14 साल पहले पुलिस अभिरक्षा से फरार शातिर की गिरफ्तारी के लिए एसीजेएम कोर्ट (मुरादाबाद) ने 50,000 का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के फतेउल्लाहगंज का मूल निवासी है जो नाम और भेष बदलकर शाहजहांपुर में था। इनामी अपराधी की गिरफ्तारी की जानकारी पुलिस अधीक्षक रेलवे आशुतोष शुक्ल ने पत्रकार में दी। जीआरपी थाना प्रभारी के कक्ष में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसपी रेल ने इस कार्य के लिए यहां के जीआरपी थाना प्रभारी राजन शर्मा सहित सहयोगियों की पीठ थपथपाई। बातचीत में दोष सिद्ध मोहसिन पुत्र हबीब खां का विवरण गिनाया। बताया कि हत्या के मामले में साल 2007 में मोहसिन को दोषी मान लिया गया। हत्या के मामले में आरोपी एसीजीएम हल्द्वानी के कोर्ट से पेश होकर साल 2009 में काठगोदाम एक्सप्रेस से देहरादून वापस जा रहा था। इस दौरान मुरादाबाद के रामगंगा पुल के पास ट्रेन से फरार हो गया, इसकी गिरफ्तारी के लिए रेलवे पुलिस ने प्रदेश के अलावा दिल्ली और उत्तराखंड के संभावित ठिकानों पर लंबे समय से छापेमारी कर रही। मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे शाहजहांपुर जिले के गांव नवाबपुर से गिरफ्तार किया गया। मोहसिन पुवांया थाना क्षेत्र के इस गांव में मजीद खान के नाम से बस गया था। बढ़ई (कारपेंटर) का कार्य कर रहा था। पुलिस अभिरक्षा से फरार मोहसिन के खिलाफ साल 2012 में मुरादाबाद के एसीजेएम कोर्ट द्वारा इनाम घोषित किया गया था। एसपी रेलवे ने बताया कि उधमसिंहनगर के थाना काशीपुर में 2004 में आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था। जबकि नैनीताल जिले के हल्द्वानी थाने में 2008 दो अलग-अलग प्रकरण में अभियोग पंजीकृत किए गए। अभिरक्षा से फरार मामले में साल 2009 में मुरादाबाद जीआरपी थाने में मामला दर्ज हुआ। 53 वर्षीय मोहसिन 14 साल से मिल नहीं रहा था। इसके विरुद्ध कुर्की की भी कार्रवाई की गई थी। दोपहर बाद रेलवे पुलिस ने मोहसिन को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

प्रेम कहानी का अंत: जिसे प्यार किया वह नहीं मिला, अलग रहने के डर से दोनों ने जंगल में पिया जहर, प्रेमी की मौत

मुरादाबाद- दोनों का अलग-अलग जगह रिश्ता तय होने से नाराज प्रेमी-प्रेमिका ने जंगल में जाकर जहर निगल लिया। इससे प्रेमी की मौके पर ही मौत हो गई जबकि प्रेमिका जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है। पुलिस ने बताया कि जांच की जा रही है। ठाकुरद्वारा क्षेत्र के शरीफ नगर गांव में प्रेमी-युगल ने जहर खा लिया। दोनों गांव से करीब दो किलोमीटर दूर जंगल में पड़े मिले। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई जबकि प्रेमिका की हालत गंभीर बनी हुई। बताया जा रहा है कि दोनों ने अलग-अलग जगह रिश्ता तय होने पर आत्मघाती कदम उठाया है। ठाकुरद्वारा के निजी अस्पताल में लड़की का उपचार चल रहा है। शरीफ नगर निवासी कमलदीप (19) पुत्र दुर्योधन का गांव की रहने वाली 12 वीं की छात्रा (17) से प्रेम प्रसंग चल रहा था। कुछ दिन पहले दोनों पक्षों में हुआ था विवाद दोनों एक ही जाति के हैं और शादी करना चाहते थे। लेकिन युवक के परिजन प्रेमिका से शादी करने के पक्ष में नहीं थे। कुछ दिन पहले भी इस बात को लेकर विवाद हुआ था। तब मामला पुलिस तक पहुंचा था। बाद में दोनों पक्ष में समझौता हो गया था। इसके बाद कमलदीप को उसके परिजनों ने गांव से हटाकर उसकी बुआ के घर दूल्हापुर गांव भेज दिया था। उन्होंने कमलदीप की शादी भी कहीं तय कर दी। छात्रा का भी कहीं रिश्ता तय कर दिया गया था। जिसका पता चलने पर पर प्रेमी युगल ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने का निर्णय लिया।

ग्रामीण को जंगल में दोनों पड़े मिले

दोनों बृहस्पतिवार की सुबह करीब चार बजे दूल्हापुर जाने वाले मार्ग पर गुलाब नगर गांव के पास जंगल में पहुंच गए। यहां पर उन्होंने ने जहरीला पदार्थ खा लिया। एक ग्रामीण जंगल पहुंचा तो उसने दोनों को यहां पड़ा देखा। इसकी जानकारी मिलने पर दोनों के परिजन भी मौके पर आए। दोनों को वहां से उठाकर शरीफ नगर में निजी चिकित्सक के यहां ले गए, तब तक कमलदीप की सांसें थम चुकी थीं। छात्रा को ठाकुरद्वारा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया

कमलदीप के परिजनों ने युवती के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। इसकी जानकारी मिलने पर सीओ राजेश कुमार तिवारी और कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों से बातचीत की। इसके बाद हंगामा कर रहे लोगों को समझा बुझाकर शांत किया। सीओ राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डेढ़ माह पहले भी घर से भाग गए थे दोनों

शरीफ नगर निवासी प्रेमी युगल करीब डेढ़ माह पहले भी घर से फरार हो गया था। दोनों का प्रेम उजागर हो जाने पर परिजनों ने उन पर पाबंदियां लगाने की कोशिश की तो कमलदीप अपनी प्रेमिका को लेकर घर से फरार हो गया था। शिकायत के बाद कमलदीप के परिजनों पर पुलिस का दबाव पड़ने पर प्रेम युगल खुद ही कोतवाली पहुंच गया था। दोनों पक्षों को बुलाया गया। दोनों में पक्षों में बातचीत हुई लेकिन प्रेमी युगल शादी की जिद पर अड़ा हुआ था। प्रेमिका के नाबालिग होने के कारण तय हुआ था कि उसके बालिग होने पर दोनों की शादी कर दी जाएगी।

प्रेमिका के घर के सामने शव रखा

कमलदीप की जहर खाने से मौत होने के बाद परिजन उसके शव को प्रेमिका के घर के सामने ले गए। उन्होंने यहां शव रखकर हंगामा किया। उनका आरोप था कि प्रेमिका के परिजनों ने ही ने ही कमलदीप की हत्या की है। उनके खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर गिरफ्तारी की जाए। पुलिस ने उन्हें समझाया कि मामले की जांच के बाद के बाद कार्रवाई की जाएगी। इस इसके बाद परिजनों ने वहां से शव हटा लिया। भाजपा नेता ठाकुर अजय प्रताप सिंह ने भी मौके पर आकर कमलदीप की मौत पर दुख व्यक्त किया।

युवती को मिलने के लिए होटल में बुलाया, मोबाइल को छिपा अश्लील वीडियो किया तैयार, अब कर रहा ब्लैकमेल

मुरादाबाद- पुलिस ने युवक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि युवक वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लेकमेल कर रहा है। इससे वह मानसिक तौर पर परेशान है। मुरादाबाद कोतवाली क्षेत्र के एक होटल में प्रेमी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। इसी दौरान आरोपी ने कमरे में मोबाइल छिपाकर रख दिया था।

जिसमें अश्लील वीडियो रिकॉर्ड हो गया। युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है। नागफनी के क्षेत्र निवासी 23 वर्षीय पीड़ित युवती ने कोतवाली में मझोला के चाऊ की बस्ती लाइन पार रोहित चौधरी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिसमें पीड़िता ने बताया कि रोहित चौधरी से एक कार्यक्रम के दौरान उसकी मुलाकात हो गई थी। तब आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया था। इसके बाद आरोपी और युवती के बीच फोन पर बातचीत होने लगी थी। इसके बाद आरोपी ने युवती को शादी का झांसा दिया और उसने कई बार अपने साथ बाहर घूमाने के लिए ले गया था। आरोपी ने 11 अक्तूबर को रेलवे स्टेशन के सामने एक होटल में मिलने के लिए बुलाया। यहां आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म की कोशिश की। युवती ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे शादी का झांसा दे दिया। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती के कमरे में पहुंचने से पहले ही आरोपी ने अपना मोबाइल ऐसी जगह छिपाकर रख दिया था। जहां दोनों की आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड हो सके। दुष्कर्म करने के बाद आरोपी ने उसे घर भेज दिया था। इसके बाद युवती ने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने उसे धमकाया कि उसके मोबाइल में वीडियो रिकॉर्ड है। अगर शादी के लिए दबाव बनाएगी तो वीडियो वायरल कर देगा। सीओ कोतवाली ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

अभिनेत्री जयाप्रदा के मामले की अगली सुनवाई 18 को होगी, न्यायालय ने जारी किया जमानती वारंट

मुरादाबाद,- 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद कटघर के मुस्लिम डिग्री कॉलेज में सपा कार्यकर्ताओं के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सांसद व अभिनेत्री जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी के मामले में अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को होगी। इस मामले में अदालत ने जमानती वारंट जयाप्रदा के खिलाफ जारी कर पेश होने के लिए कहा था। लेकिन, चार अक्टूबर को भी वह न्यायालय में पेश नहीं हुई थीं। अब 18 अक्टूबर को अगली सुनवाई होनी है। क्योंकि 11 अक्टूबर को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बेंच स्थापना को लेकर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहकर हड़ताल पर थे। 2019 लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कटघर क्षेत्र के मुस्लिम डिग्री कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में रामपुर के पूर्व सांसद आजम खां, मुरादाबाद के सपा सांसद डॉ. एसटी हसन समेत अन्य सपा नेता शामिल हुए थे। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री जयाप्रदा पर अभद्र टिप्पणी की गई थी। इस मामले में रामपुर निवासी मुस्तफा हुसैन ने आजम खां, डॉ. एसटी हसन, अब्दुल्ला आजम, फिरोज खां, आयोजक मोहम्मद आरिफ, रामपुर के पूर्व चेयरमैन अजहर खां के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। रामपुर की पूर्व सांसद एवं अभिनेत्री जयाप्रदा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी मामले में अगली सुनवाई 18 अक्टूबर को होनी है। विशेष लोक अभियोजक मोहन लाल विश्नोई ने बताया कि 11 अक्टूबर को मुकदमे की सुनवाई लघु वाद न्यायाधीश मनिंदर सिंह की अदालत में की जानी थी। लेकिन, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की बेंच स्थापना को लेकर अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रह कर विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले में जयाप्रदा के खिलाफ न्यायालय से जमानती वारंट जारी है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शराब पार्टी के बाद युवक की मौत, बाइक से शव फेंककर फरार होने वाले दोस्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। जनपद के प्रेमनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह एक स्कूल की सामने एक युवक का शव मिलने पर हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। इसके साथ ही मामले की जांच पड़ताल कर रही है।एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रेमनगर थाना क्षेत्र में गांधी स्मारक जूनियर हाई स्कूल के सामने एक युवक का शव पड़ा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर उसकी पहचान कराई गई। शव की पहचान विजय रायकवार निवासी सीपरी बाजार के रूप में हुई है। सूचना पर मृतक की पत्नी और बच्चे घटनास्थल पर पहुंच गए। मृतक की पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि उनके पति गुरुवार की सुबह मजदूरी करने के लिए घर से निकले थे। लेकिन वह शाम तक घर नहीं लौटे रात में उसके फोन पर विजय रायकवार के किसी दोस्त ने कॉल किया था. जिसने बताया कि वह उसके साथ हैं। एसपी सिटी ने बताया कि इस घटना में एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जहां 2 युवक एक बाइक पर एक युवक को बैठाकर ले जाते दिखाई दे रहे हैं।जहां दोनों ने शव को घटनास्थल पर फेंक कर फरार हो गए। एसपी सिटी ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गुरुवार की रात तीनों ने मिलकर शराब की पार्टी किए थे।जहां अधिक शराब पीने से सभी लोग वहीं सो गए। लेकिन वहीं देर रात अधिक नशे के कारण विजय की मौत हो गई। जिसकी वजह से दोनों ने मिलकर बाइक पर बैठाकर घटनास्थल पर शव फेंककर फरार हो गए।एसपी सिटी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस मौत के कारणों की जांच पड़ताल कर रही है।

कारगिल युद्ध मे शहीद गुप्ता कि याद मे हुआ श्रृद्धांजलि कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच
महेश कछावा

नागदा- नागदा-सन 2001 मे कारगिल युद्ध मे शहीद हुए गिरिजेश गुप्ता की याद मे आज रात गवर्मेंट कालोनी सरस्वती शीशु मंदिर बिरलाग्राम क्षेत्र मे हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शहीद की शहादत को याद करते हुये एक श्रृद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमे शहर के गणमान्य नागरिकों के अलावा भूतपूर्व सैनिक ने वीर शहीद की तस्वीर पर पुष्प माला अर्पित कर उन्हें श्रृद्धांजलि दी इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए जिनी म्यूजिकल ग्रुप नागदा के गायक गायिका द्वारा कई अच्छे देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गयी ।वही इसी ग्रुप व नागदा शहर के प्रसिद्ध गायक विजय श्रीवास्तव व राधा किशन कदम द्वारा मधुर आवाज मे गाये गये देश भक्ति के गीत के बोल सुनकर वहां उपस्थित श्रोताओं की आंखों से नीर तक बहने लगे इन्हीं नम आखों से उपस्थित सभी श्रोताओं ने शहीद गिरिजेश गुप्ता को अपनी अपनी जगह पर खडे होकर भावभीनी श्रृद्धांजलि अर्पित की। इस श्रृद्धांजलि कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप सैलाना से पधारे महंत जी द्वारा शहीद गिरिजेश गुप्ता की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रृद्धांजलि दी। बाद मे मुख्य अतिथि के रूप आये महंत जी का स्वागत शहीद गिरिजेश गुप्ता के माता पिता द्वारा शाल श्री फल के साथ शहीद की शहादत की याद मे स्मृति चिन्ह भी गुरू महाराज को दिया गया।

इसी कार्यक्रम मे पधारे अतिथि डॉ तेजबहादुर सिह चोहान, नगरपालिका अध्यक्ष ओपी गेहलोत,पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष रामसिंह शेखावत, एनसीसी अधिकारी सुरेन्द्र सिंह चोहान,मिंटू सरदार जी, अशोक शर्मा, अशोक मरमट, रमाकांत मावर, व अन्य को गुप्ता परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये तथा साथ ही शहर के भूतपूर्व सैनिकों के साथ भारत कामर्स विधालय से आये एनसीसी के दो जवानों का भी सम्मान करते हुऐ उन्हे भी शहीद की याद मे स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। वही जिनी म्यूजिकल ग्रुप मे आये सभी गायक गायिका व मंच का मधुर आवाज मे संचालन कर रही बालिका आर्ची अग्रवाल का भी गुप्ता परिवार द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया कार्यक्रम के अंत मे भारत माता के गीत के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस वर्ष मतदाता जागरूकता पर आधारित होगा गरबा डांडिया कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रदीप कुमार तिवारी

रीवा - सिक्स यार्ड वीवर एसोसिएशन के तत्वावधान में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पारंपरिक गरबा डांडिया का आयोजन आगामी 17 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा है! इस वर्ष चूंकि लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व चुनाव होने जा रहा है इसलिए इस बार गरबा डांडिया कार्यक्रम की थीम मतदाता जागरूकता होगी! जिसका उद्देश्य जनता मतदान करने के लिए प्रेरित करना होगा! उक्त आयोजन

की जानकारी देने हेतु स्थानीय कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया! जिसको प्रमुख रूप से सिक्स यार्ड वीवर एसोसिएशन की अध्यक्ष चेतना मिश्रा, उपाध्यक्ष डॉ आरती तिवारी, सचिव शिखा सिंह, कार्यकारिणी सदस्य तमन्ना अंसारी एवं युवा समाजसेवी एवं कवि सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने संबोधित किया! पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया गया है कि गरबा डांडिया कार्यक्रम में भाग लेकर विजयी होने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जायेगा! प्रथम विजेता को 11,000 राशि एवं प्रतीक चिन्ह, द्वितीय विजेता को 5100 एवं प्रतीक चिन्ह एवं तृतीय विजेता को 2100 एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान किया जायेगा! साथ ही गरबा क्वीन, बेस्ट डांसर और बेस्ट ड्रेस जैसी केटेगरी भी रखी गयी है, इसके विजेताओं को भी नगद राशि और प्रतीक चिन्ह प्रदान किये जाएंगे! कार्यक्रम के आयोजकों ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गरबा डांडिया के कार्यक्रम में कई सहयोगी संस्थायें भी है जिनमें प्रमुख रूप से ओम साई राम डांस एकेडमी, हनुमान ज्वेलर्स, रासलीला गरबा ड्रेसेस, साईशा सोशल फेलफेयर फाउंडेशन, एवं सत्यार्थी फिल्म एंड इवेंट्स रिएक्ट संस्था एवं जलसा गार्डेन शामिल है!

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिखाया बड़ा दिल, दुष्प्रचार के आरोपी को किया माफ

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष महेश कश्यप दर्जन भर कार्यकर्ताओं के साथ वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिलकर मुलाकात की और उन्होंने शिकायत दर्ज करते हुए बताया कि की एक व्हाट्सएप ग्रुप पर एक युवक द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की फोटो लगा कर दुष्प्रचार किया जा रहा है, जिसे सपा कार्यकर्ता बर्दास्त नहीं करेंगे।

आरोपी पर तत्काल कार्रवाई की गई। फिलहाल दुष्प्रचार आरोपी सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से पूर्व जिला अध्यक्ष महेश कश्यप के साथ मिला और अपनी भावनाओ को बताया इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बडा दिल दिखाते हुए उसे माफ किया आरोपी युवक को उनसे मिलकर बेहद खुशी हुई, और युवक ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान व्हाट्सएप ग्रुप गोल्ड फेंड्स पर प्रवीण अग्रवाल नामक युवक ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की फोटो लगाकर सपा सरकार बनने पर एक विशेष समुदाय को झूठा प्रलोभन देने की बात कही गई थी उस संबंध में पूर्व जिला अध्यक्ष महेश कश्यप के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिले और युवक पर कार्रवाई की मांग की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर थाना सीपरी बाजार में आरोपी के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया । जब दुष्प्रचार आरोपी पूर्व जिला अध्यक्ष महेश कश्यप से मिला और अपनी भावनाओं को बताया तो उन्होंने कहा कि मैं कुछ नहीं कर सकता तुमने हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष की फोटो लगाकर दुष्प्रचार किया है अगर वह माफ कर दे तो समझो सभी कार्यकर्ताओं ने माफ किया तभी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से समय लेकर के पूर्व जिला अध्यक्ष महेश कश्यप के साथ वह युवक लखनऊ गया। अखिलेश यादव ने उसकी पूरी बात सुनी और बड़ा दिल दिखाते हुए उसे माफ किया साथ ही न्यायालय में चल रहा मुकदमे को भी खत्म करने की बात कही इस अवसर पर नरेंद्र झा, सलमान परीक्षा , दीपक चौहान, जय हिंद के साथ अनेक सफाई मौजूद रहे।

पकड़े गये शातिर चोर के पास से नगदी सहित लाखों रुपए के आभूषण बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच
राजू वर्मा

कन्नौज - पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशानुसार अपर पुलिस अधीक्षक डॉश अरविंद कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर डॉश प्रियंका वाजपेई द्वारा टीम तैयार कर निर्देशित कर जनपद कन्नौज में हो रही चोरी की घटनाओं में सक्रियता दिखाते हुए एसश्ओश्जीश्र प्रभारी कमल भाटी कोतवाली प्रभारी अजय अवस्थी द्वारा अपनी टीम के साथ दिगंबर जैन चंद्रप्रभु मंदिर मोहल्ला छिपट्टी व दो अन्य जगह हुई चोरी की घटना को अंजाम देने वाले शातिर चोर जहीरूद्दीन उर्फ फत्रू को भूड़ा मंदिर कन्नौज से गिरफ्तार किया जिसके पास से 6 तोला सोने के एवं चांदी के आभूषण, 10 किलो रेजगारी व दो लाख उन्तालीस हजार रुपये बरामद किए गए द्य शातिर चोर ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह चोरी की घटनाओं को अंजाम वहां देता है जहां पर ताला पड़ा हो वह पहले चोरी करने वाली जगह की पहले से रेकी करता है जिसके बाद चोरी की घटना को अंजाम देता है जिन घरों में ताला लगा होता है उन घरों का ताला तोड़कर रात में चोरी जैसी वारदात को अंजाम देता है और सुबह ऑटो द्वारा अपने घर चला जाता है द्य चोर बहुत ही शातिर किस्म का अपराधी है जो हरदोई फर्रुखाबाद आदि जिलों में पूर्व में चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे चुका है और जेल जा चुका है द्य चोरी का खुलासा पुलिस अधीक्षक कन्नौज द्वारा किया गया जिसमें शातिर चोर का आपराधिक इतिहास बताया गया व चोरी का खुलासा करने वाली टीम को 25000 रुपए देकर पुरस्कृत किया गया

गाजियाबाद में बिल्डर ग्रुप का वाइस प्रेसिडेंट गिरफ्तार-40 लाख लेकर भी नहीं दिया फ्लैट

क्यूँ न लिखूँ सच
मीरा कौशिक

गाजियाबाद पुलिस ने बिल्डर ग्रुप वीवीआईपी के वाइस प्रेसिडेंट नितिन गर्ग को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पिछले साल एक बायर ने उनके खिलाफ 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मुकदमा कराया था। नंदग्राम थाना पुलिस ने इस केस में 2 बार फाइनल रिपोर्ट (FR) लगाई थी। जांच जब दूसरे थाने कविनगर को ट्रांसफर हुई तो आरोपी फंस गया। इस बिल्डर समूह पर गाजियाबाद के कई और थानों में भी धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज हैं।

आसरा सोसाइटी 17 अक्टूबर को डांडिया नाइट्स इवेंट्स करेगी आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच -नेहा श्रीवास

झाँसी । नवरात्रि के शुभ अवसर पर 17 अक्टूबर को लक्ष्मी गार्डन में डांडिया नाइट्स इवेंट्स का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 17 अक्टूबर दिन मंगलवार को इलाइट सीपरी रोड पर स्थित लक्ष्मी गार्डन में समाजसेवी संस्था आसरा सोसाइटी द्वारा डांडिया नाइट्स इवेंट्स कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा । सोसाइटी कि अध्यक्ष एवं कार्यक्रम आयोजक पूजा शर्मा व बंटी ने बताया कि हर बर्ष कि भांति संस्था कि इस नवरात्रि के तृतीय दिन को यानी 17अक्टूबर को %डांडिया नाइट्स% इवेंट्स का आयोजन किया जा रहा है। यह इवेंट शाम 6 बजे से शुरू होकर रात 11 बजे तक चलेगा। इसमें डांडिया नृत्य, लाइव डांस, लाइव सिंगिंग और लाइव परफॉर्मेंस का कार्यक्रम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस इवेंट्स में युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा और इसके साथ ही सभी का मनोरंजन भी होगा.उन्होंने बताया कि इस नाइट में प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया जाता है. साथ ही फूड स्टॉल भी लगाए जायेंगे। जीतने वाली जोड़ी को दिया जाएगा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा। बता दें की इस डांडिया नाइट्स इवेंट्स में सिर्फ फैमिली और कपल और सिंगल गर्ल्स ही आ सकती है।

सराई की बिल्डिंग की स्थिति डाइनिंग किसी दिन बच्चों की जा सकती है जान इसके जिम्मेदार कौन

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

ग्राम पंचायत सराई में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 के बिल्डिंग की स्थिति बहुत ही दायनी है जो कि अभी 2 वर्ष पूर्व में ही बनाई गई थी बिल्डिंग आज ऐसी स्थिति हो गई है कि वह बिल्डिंग किसी भी दिन गिर सकती है

जिससे एक बड़ा हादसा हो सकता है आखिर ऐसे भ्रष्टाचारी हो रहे हैं तो क्या इसमें त्योहार के सक्षम अधिकारियों के मिली भगत से भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है या फिर इस बिल्डिंग की जांच इन अधिकारियों द्वारा की जाएगी क्योंकि 2 वर्ष पूर्व में ही बनी हुई बिल्डिंग आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक एक की स्थिति ऐसी हो गई है वह किसी भी दिन गिर सकती है जिसमें उसके अंदर बैठे बच्चों की जान जा सकती है आखिर ऐसे भ्रष्टाचारियों पर कार्यवाही कब होगी इसके जिम्मेदार कौन क्या त्यौहार के अधिकारी भ्रष्टाचारियों को देते हैं पनाह या फिर इस बिल्डिंग की करेंगे जांच या तो वक्त ही तय करेगा सरपंच रावेन्द्र सिंह के समक्ष की गई जांच आखिर गांव के मुखिया होने के कारण निरीक्षण करने का है उनका अधिकार आखिर कब होगी इस पर कार्यवाही सरपंच सराई राजेन्द्र सिंह के द्वारा किया जाता है सराहनीय कार्य

ग्राम पंचायत सराई में आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में उपस्थित नहीं रहें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जिम्मेदार कौन

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

ग्राम पंचायत सराई में आंगनवाड़ी में नहीं रहते हैं उपस्थित रहते हैं कर्मचारी कहीं यह कार्य परियोजना अधिकारी के मिली भगत से बढ़ रहा है भ्रष्टाचार शासकीय आवास ना होने की वजह से प्राइवेट किराए पर रूम लेकर के आंगनबाड़ी खोला गया है जिसमें बच्चों के लिए कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है ना तो शौचालय उपलब्ध है और ना ही बच्चों को खेलने की कोई वस्तु आंगनवाड़ी में उपस्थित है आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा खूब जमकर किया जाता है भ्रष्टाचार जो की जांच करने के लायक है क्या परियोजना अधिकारी के मिली भगत से चल रहा है यह सब भ्रष्टाचार का कार्य आखिर कब होगा भ्रष्टाचार बंद समय पर नहीं खुलते हैं आंगनबाड़ी केंद्र ना ही समय पर बंद होते हैं बच्चों भी नहीं उपस्थित रहते हैं आंगनबाड़ी केंदो में जब शिक्षा की नई उपस्थित रहेंगे तो बच्चे कैसे उपस्थित रहेंगे आखिरी आज का विषय है कब होगी इसकी जांच या फिर ऐसे ही भ्रष्टाचार बढ़ता रहेगा यह तो जचने विषय है क्या इस पर ध्यान देंगे परियोजना अधिकारी त्योंथर, एस डी एम , कलेक्टर महोदय रीवा, महोदय से विनम्र निवेदन है कि इसकी जांच जल्द से जल्द जांच करने की कृप्या करें

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके में मचा हड़कम

क्यूँ न लिखूँ सच
श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से इलाके में मचा हड़कम लगातार थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र के क्षेत्र में बनी अर्रा पहाड़पुर मंडी से हो रही है बाइक के चोरी थाना पुलिस चोरों पर लगाम लगने में हो रही है नाकाम थाना अध्यक्ष के लापरवाही के चलते चोर चोरी की खुलेआम घटनाओं को दे रहे हैं अंजाम आज सब्जी खरीदने गए

सब्जी विक्रेता सुरेंद्र यादव की बाइक डिस्कवर लेकर चोर हुए फरार लगातार थाना अध्यक्ष की लापरवाही के चलते चोर सब्जी मंडी में बाइक चोरी कर घटनाओं को दे रहे हैं अंजाम पुलिस की नाकामी के चलते चोरों के हौसले बुलंद पीड़ित सब्जी विक्रेता ने थाना मऊ दरवाजा पुलिस को दी तहरीर तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक विकास कुमार सिंह की साग पर बट्टा लगा रही थाना मऊ दरवाजा पुलिस चोर सब्जी मंडी में आए दिन चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर थाना मऊ दरवाजा पुलिस को दे रहे हैं खुलेआम चुनौती मोटरसाइकिल का नंबर द्धश् 78द्धद्द3736 डिस्कवर लेकर कर हुए फरार मामला थाना मऊ दरवाजा क्षेत्र के आरा पहाड़पुर सब्जी मंडी का

राजभवन में लोक भूषण पन्नालाल असर की झाँसी रानी - सी झलकारी पुस्तक का विमोचन

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदी बेन पटेल के कर कमलों से गत दिवस राजभवन लखनऊ में बुंदेलखंड के प्रसिद्ध लेखक, कवि पन्नालाल असर द्वारा रचित पुस्तक रानी झाँसी सी झलकारी का विमोचन किया गया। विमोचन के दौरान लेखक पन्नालाल %असर% ने बुंदेलखंड की गुमनाम वीरांगनाओं के इतिहास के उन अनछुए पहलुओं पर जानकारी देते हुए बताया के जल्द ही बुंदेलखंड की अन्य वीरांगनाओं पर शोध कार्य पूर्ण हो जाएगा। इस जानकारी पर महामहिम राज्यपाल ने पन्नालाल %असर% को बधाई देते हुए उनकी उज्जवल साहित्यिक भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों से हमारी पुरातन नारी शक्ति के इतिहास से हमारी आधुनिक नारी शक्ति को प्रेरणा मिलेगी।

एक बार फिर एक मुन्ना भाई MBBS डॉक्टर ने ले ली एक नवजात बच्ची की जान

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा में एक बार फिर एक मुन्ना भाई [illegible] डॉक्टर ने ले ली एक नवजात बच्ची की जान,परिजनों ने 卐मां दुर्गा नर्सिंग होम卐 की संचालक डा0 सुमन यादव पर अनट्रेंड और लापरवाही की बजह से नवजात बच्ची की मौत का लगाया है आरोप, बच्ची की मौत के बाद हॉस्पिटल में परिजनों ने जमकर काटा हंगामा, डॉक्टर की लापरवाही और बच्ची की मौत पर हंगामे के बाद एटा सीएमओ उमेश त्रिपाठी बोले जांच के बाद आरोपित हॉस्पिटल के खिलाफ होगी कड़ी कार्यवाही, पीड़ित परिजनों ने बताया कि पूर्व में इस हॉस्पिटल में लगातार दर्जनों मौत होने का आरोप लगाया है, वही आक्रोषित परिजनों ने बिना डिग्री के इस डॉक्टर सुमन यादव की लापरवाही से बच्ची की मौत के बाद मां दुर्गा हॉस्पिटल पर परिजनों ने जमकर काटा हंगामा, सूचना पर भारी पुलिस पहुंचा मौके पर, पीड़ित परिजनों ने पूर्व में भी इस मां दुर्गा हॉस्पिटल में दर्जनों मौत होने का लगाया है आरोप और फायर की घटना होने पर इस हॉस्पिटल में कोई नही है मानक, इस मां दुर्गा नर्सिंग होम卐 हॉस्पिटल में पूर्व में भी लापरवाही से एक महिला की मौत हुई थी, परिजनों का आरोप कि स्वास्थ्य विभाग ने इस हॉस्पिटल को सीज के बाद मिली भगत से कुछ ही दिनों में अवैध तरीके से खोल दिया था इस हॉस्पिटल को, 6 दिन पूर्व इस हॉस्पिटल में रिंकी नाम की महिला की हुई थी डिलीवरी, परिजनों का आरोप है कि महिला की नॉर्मल डिलीवरी करने के फर्जी डॉक्टर सुमन यादव ने ऑपरेशन के नाम पर लिए थे 20 हजार रुपए, नॉर्मल डिलीवरी के बाद बच्ची हुई थी स्वस्थ पैदा,बाद में डॉक्टर की लापरवाही से हालत बिगड़ने लगी तभी डॉक्टर ने नवजात बच्ची को गूंगी बता कर दिया था रेफर, घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच कर परिजनों को कार्यवाही का आश्वासन देकर कराया शांत, एटा कोतवाली नगर क्षेत्र के आगरा रोड स्थित मां दुर्गा नर्सिंग होम का मामला।

अधिशासी अभियंता श्रावस्ती कार्यालय पर किसान यूनियन ने बिजली की समस्याओं से संबंधित की पंचायत

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद कुमार यादव

अधिशासी अभियंता श्रावस्ती के कार्यालय पर पूर्व सूचना के अनुसार एक पंचायत का आयोजन किया गया जिसमें जिले से आए हुए समस्त भारतीय किसान यूनियन के सदस्य व पदाधिकारी सहित अपनी समस्या से पदाधिकारी को अवगत कराया विद्युत बिल अधिक आना जनपद में बिजली विभाग के रो स्टिंग की समस्या से श्रावस्ती का पूरा जनमानस परेशान है श्रावस्ती में संचालित समस्त पावर हाउस पर तैनात लाइन मैंन द्वारा बड़े किसानों को बिजली के उपकरण चलाने के लिए कुछ रकम लेकर विद्युत पोल से तार को लटका देते हैं जिसके कारण जनपद में बिजली चोरी की समस्या पर लगाम नहीं लग पा रहा है जिसके कारण जनपद में बिजली की समस्या लगातार बनी हुई है अधिशासी अभियंता श्रावस्ती से भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष रामस्वरूप वर्मा सहित सात सदस्य टीम ने बैठकर बातचीत की अधिशासी अभियंता श्रावस्ती ने बताया कि जल्द से जल्द इसका निस्तारण कराया जाएगा विद्युत विभाग के एसडीओ भी मौजूद रहे अधिशासी अभियंता ने एसडीओ को बताया कि अपने- अपने क्षेत्र में बिजली की समस्याओं को और बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें ताकि जनपद में बिजली की समस्या का समाधान कराया जा सके भारतीय किसान यूनियन के सात सदस्य टीम ने अधिशासी अभियंता श्रावस्ती को 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंप कर अपनी समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण करने मांग की

सफाई के दावे तोड़ रहे दम नाले में फैली गंदगी से लोग होने लगे बीमार

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

गुरसराय(झाँसी) - एक ओर जहाँ योगी सरकार स्वच्छता को लेकर तमाम प्रयास कर रही है और स्वच्छता को लेकर लाखों रुपए खर्च कर रही है पर उसके उलट गुरसराय नगर पालिका साफ सफाई व्यवस्था से कोसों दूर है।शासन प्रशासन के लाख दावों के बीच गुरसराय में सफाई व्यवस्था कि स्थिति सुधरने का नाम नहीं ले रही है।लोगों का आरोप है कि एक सामान्य सी बरसात पर भी नाले का पानी सड़क पर और लोगों के मकानों में चला जाता हैं।अभी पिछले दिनों हुई बारिश में जरा सी बारिश में बाढ़ जैसे हालत हो गए थे।एडीएम ने भी नगर का निरीक्षण कर साफ सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए थे फिर भी पालिका प्रशासन ने अभी तक इस ओर अमल नही किया है।इस समय डेंगू ने अपने पैर पसार लिए है। एक छात्रा की मौत भी हो चुकी है और कई लोग बीमार है। फिर भी पालिका प्रशासन का लचर रवैया लोगों के लिए घातक सिद्ध हो सकता हैं। योगी सरकार के सख्त आदेशों के बाद भी नगर में एंटीजन लार्वा एवं फॉगिंग का कार्य नही हो रहा है। इसका मुख्य कारण पालिका की लापरवाही है।लोगों ने बताया कि गुरुवार को एक गाय इसी नाले में गिर गयी थी जिसे लोगों के सहयोग से निकाल लिया गया था। शाम को फिर से गाय नाले में गिर गई। नाले की गंदगी से बीमारी फैलाने वाले मच्छर पैदा हो रहे हैं।जिससे लोग भी बीमारी की चपेट में रहे हैं।डेगुं,मलेरिया की बीमारी इस गंदगी के कारण ही बढ़ी है। अधिकांश नाले कचरे की सफाई नहीं होने के कारण बंद हो गए हैं और उनमें उपस्थित गंदगी से मोहल्लावासियों का सांस लेना दूभर हो रहा है। नालों की सफाई करने के नाम पर मात्र रस्म अदायी की जाती हैं। जिससे नाले गंदगी और कीचड़ से पटे हुए हैं।गंदगी से संक्रामक रोग फैलने की आशंका है। इसके बाद भी चोक नाला और नालियों की सफाई नहीं की जा रही है। कोई भी नाली ऐसी नहीं दिखी जो गंदगी से पटी न हो। नालों की सफाई कराए जाने के लिए नगर पालिका लाखों रुपये खर्च करता है।अभियान चलाया जाता है,नालों की सफाई करते हुए फोटो भी खिंचवाए जाते हैं। इसके बावजूद नाले गंदगी से ही पटे ही पड़े हैं। दुर्गन्ध से आसपास के लोगों को रहना मुश्किल है।

मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल खोले जाने के शासन से निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - प्राइवेट स्कूलों की तरह सरकार मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल से सुसज्जित मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल बनाने जा रही है। स्कूल के लिए पांच एकड़ भूमि तलाशने की जिम्मेदारी बेसिक शिक्षा विभाग को दी गई है। इसमें हाईवे और मुख्य मार्ग भूमि होने की प्राथमिकता की गई है। बेसिक शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल खोले जाने के शासन से निर्देश प्राप्त हुए हैं। यह स्कूल कक्षा एक से 10 तक बच्चों को शिक्षा देने का कार्य करेगा। इसमें प्राइवेट मॉडल स्कूलों की तरह सभी सुविधाएं रहेंगी। मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल बनने से जिले के बच्चों को शिक्षा के बेहतर आयाम मिल सकेंगे। गरीब बच्चे भी प्राइवेट स्कूलों की तरह मुख्यमंत्री मॉडल स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने का सपना पूरा कर सकेंगे। बीएसए ने कहा कि शासन की ओर से जनपद में शिक्षा को बेहतर बनाने की सराहनीय पहल है। स्कूल के लिए पांच एकड़ भूमि तलाशने के निर्देश दिए हैं। साथ ही यह भी कहा है कि चिह्नित भूमि हाईवे या मुख्य मार्ग पर होनी चाहिए। उसके बाद जनपद से गुजरे हाईवे और मुख्य मार्गों पर सरकारी जमीन चिह्नित करना शुरू कर दिया गया है। केंद्रीय विद्यालय-नवोदय विद्यालय भी संचालित जिले में बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अलावा केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय संचालित हो रहे हैं। वहां पर छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या लगभग सात से आठ हजार हैं। 1691 स्कूलों से 1.42 लाख बच्चे ले रहे शिक्षा- बेसिक शिक्षा विभाग से 1691 प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिकता विद्यालय संचालित है। इनमें गरीब वर्ग के एक लाख 42 हजार छात्र-छात्राएं शिक्षा ले रहे हैं। इनमें कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के माध्यम से ड्राप आउट बालिकाओं को पुन शिक्षा से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

नाले का निर्माण ना होने से ग्रामीणों में भारी रोष

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद - फर्रुखाबाद कायमगंज जहां एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव गांव तक साफ सफाई करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देती रहती है। सरकार के द्वारा दिया गया।नारा स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का नारा फेल होता नजर आ रहा है। क्योंकि सरकार के द्वारा चलाए जा रही

योजनाओं का फ़ायदा आम जनता को नही मिल पा रहा है।तो इससे पता लगता है कि अधिकारियों का इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं है। ताजा मामला विकास खंड कायमगंज के गांव अताईपुर का है।जहा ग्रामीणों के द्वारा कई बार शिकायते करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो सका है।दो गांव का एक ही जगह पानी का आना खेतों की फसलों को नष्ट कर देता है।मानो तो ऐसा लगता है कि यहां सारी फसले जलमग्न हो गई है।क्योंकि वहां पर अभी तक दोनों ग्राम पंचायतो के प्रधानों व अधिकारियों के संज्ञान में होने के बाद भी अभी तक नाला निर्माण का कार्य नहीं कराया गया है।जिससे ग्रामीणों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। यहां तक की ग्रामीणों का आरोप है।कि हम लोग संपूर्ण समाधान दिवस में भी इसकी शिकायत कर चुके हैं।और पोर्टल के द्वारा भी आला अधिकारियों को अवगत कराने का कार्य किया है।लेकिन अभी तक हमारी समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। इस गंदगी में निकलने से लेकर हम अपनी जिंदगी को जीने पर मजबूर है।

पास्को एक्ट व महिला उत्पीड़न के दोषियों को प्रभावी पैरवी करते हुए कड़ी से कड़ी सजा दिलाएं-जिलाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने विकास भवन सभागार में अभियोजन समिति की बैठक कर अधिक से अधिक वादो का निस्तारण व की गई कार्यवाही से सम्बन्धित प्रकरणों की समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने शासकीय अधिवक्ताओं का उत्साहवर्धन किया, उन्होंने शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि जनपद न्यायालयों या अन्य दूसरे न्यायालयों में लम्बित अधिक से अधिक प्रकरणों का निस्तारण कराया जाय। जो वाद बहस के योग्य हो उसमें बहस तथा जिसमें बहस हो चुकी हो उसमें कार्यवाही करना सुनिश्चित किया जाय। उन्होने प्रकरणो में गवाहो की उपस्थिति पर भी बल देते हुए कहा कि अधिक से अधिक वादों में अभियुक्तों को सजा दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि गैंगस्टर, महिलाओं और बच्चों से संबंधित आपराधिक मामलों का निर्धारित समयावधि के अंतर्गत निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित करें। लंबित मामलों की सूची तैयार करते हुए उन पर अधिक फोकस करें ताकि लंबित मामलों का निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित किया जा सके। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि मुकदमों में प्रभावी तरीके से पैरवी की जाए। महिलाओं से संबधित हत्या, अपहरण, बलात्कार जैसी घटनाओं का चार्ट अलग बनाया जाए। उन्होंने पास्को एक्ट में पैरोकार की व्यवस्था करने के निर्देश देते हुए कहा कि लक्ष्य निर्धारित करते हुए अधिक से अधिक दोषियों को सजा दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए जिससे अपराधियों को यह मैसेज जाए कि छोटा से छोटा अपराध करने पर भी वह सजा से बच नहीं सकते। अभियोजन कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि पास्को एक्ट के मुकदमों में अधिवक्ता गण मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अधिक से अधिक दोषियों को सजा दिलाएं। उन्होंने शासकीय अधिवक्ताओं द्वारा वादों के निस्तारण में अच्छा प्रदर्शन करने वालों की प्रशंसा की और उनका उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इसी लगन और प्रेरणा के साथ कार्य करें ताकि हर छोटे से छोटे अपराधी को भी सजा दिलाई जा सके। समीक्षा बैठक में प्रर्वतन कार्यों से सम्बन्धित विवरण, आबकारी अपराधों के नियन्त्रण के लिए मारे गए छापों का विवरण, कृषि प्रकोष्ठ द्वारा न्यायालय भेजे गए मामले, खाद्य अप मिश्रण निवारण अधिनियम केतहत कार्रवाई, श्रम विभाग से संबधित विवरण पत्र मिशन शक्ति से सम्बन्धित मामले पाक्सों एक्ट, जुवैनाइल एक्ट, आर्म्स एक्ट, एक्साईज एक्ट आदि पर गहन समीक्षा कर प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि जनपद के अपराधियों में कानून का भय होना अनिवार्य है अधिवक्ता गण ऐसी पैरवी करना सुनिश्चित करें। इस दौरान बैठक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश एस,प्रभागीय वनाधिकारी एमपी गौतम, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एस के वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन ए के सिंह,पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श गोपीनाथ सोनी सहित संयुक्त निदेशक अभियोजन, वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी, मृदुल कांत श्रीवास्तव जिला शासकीय अधिवक्ता एवं समस्त जिला शासकीय अधिवक्तागण उपस्तिथ रहे।

अगर पराली जली तो किसानों के साथ गांव पर तैनात कर्मचारी भी जिम्मेदार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा - डीएम प्रेम रंजन सिंह ने कहा कि किसी भी हाल में पराली नहीं जलनी चाहिए। किसानों को इस बारे में सही से जानकारी होनी चाहिए। अगर पराली जली तो किसानों के साथ गांव पर तैनात कर्मचारी भी जिम्मेदार होंगे। डीएम ने खंड विकास अधिकारियों, डीडी कृषि को पराली जलाने की घटनाओं को गंभीरता से लें। सभी लेखपाल, सचिव प्रधान की उपस्थिति में क्षेत्रीय किसानों के साथ बैठक कर पराली का सदुपयोग करने के लिए जागरूक करें। पराली अथवा फसल अवशेष जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम होती है। पराली जलाने की घटना चाहे किसी भी समय की जाए, वह सेटेलाइट से रिकॉर्ड की जाती है। पराली जलाने वाला कोई भी कृषक इससे बच नहीं सकता। अधिकारियों, कर्मचारियों ने ग्रामीण क्षेत्रों का निरीक्षण किया। पराली जलाने पर ग्राम नूहखास तहसील जलेसर के अनिल कुमार, अरविन्द कुमार, अरुण कुमार, अतुल कुमार, अमित कुमार पुत्रगण विनोद कुमार पर कुल 25000 रूपये, साबिर पुत्र इसराइल पर 2500 रूपये एवं अंतराम पुत्र चेतराम निवासी इब्राहिमपुर नगरिया तहसील एटा पर 5000 रूपये का जुर्माना लगाया गया। इसकी वसूली राजस्व विभाग की ओर से की जाएगी।

कोल्ड स्टोरेज के बारदाना गोदाम में लगी भीषण आग दमकल की गाड़ियों ने आग पर पाया काबू

क्यूँ न लिखूँ सच
राजू वर्मा

कन्नौज - मशहूर इत्र व्यापारी व समाजसेवी ननकू दीक्षित के छिबरामऊ के सलेमपुर स्थित आशा कोल्ड स्टोरेज के बारदाना गोदाम में भीषण आग लग गई आग ही लपटे इतनी भीषण थी जो कई मील दूरी से देखी जा रही थी द्य आग की लपटों को देखकर कोल्ड में बहुत देर तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा द्य आनन फानन में फायर बिग्रेड स्टेशन पर आग लगने की सूचना दी गयी सूचना मिलते ही फायर बिग्रेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई दीवार तोड़कर घंटो कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने दर्जनों मजदूरों की मदद से आग पर काबू पाया द्य आग से किसी के हताहत होने की कोई खबर नही है द्य आग लगने का कारण खबर लिखे जाने तक स्पष्ट नहीं हो पाया

पितरों की अश्रुपूर्ण विदाई के लिए महादेव घाट पर तर्पण के लिए समाज ने की व्यवस्था पंडित रंजीतानंद मिश्र राजपुरोहित

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रवीण शर्मा

रायपुर छत्तीसगढ़ - पितरों की विदाई के लिए दिनांक 14 अक्टूबर 2023 प्रातः 8 बजे से खारून नदी महादेव घाट पर भोजपुरी समाज के सदस्यों के लिए वा और भी जो सदस्य आना चाहे आए और पितृ पक्ष में सर्वप्रथम अमावस्या का विशेष महत्व होता है यह श्राद्ध पक्ष का अंतिम दिन होता है इस दिन उन सभी पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है और अपने पितरों से आशीर्वाद लिया जाता है जिनकी मृत्यु तिथि के बारे में पता ना हो पितृ पक्ष के दिनों में अगर आप अपने पितरों का श्राद्ध नहीं कर पाए या कर लिए हो तो भी इसके लिए सर्व पितृ अमावस्या का दिन तरपन करने से सभी कष्ट दूर हो जाता है और उत्तम माना जाता है जिससे पितरों को मोक्ष प्राप्त होता है।पितृपक्ष के 15 दिन में अगर तर्पण नहीं कर पाए हो तो सर्व पितृ अमावस्या के पितरों को तर्पण कर उनको प्रसन्न कर सकते हैं माना जाता है कि इस दिन तर्पण कर उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। इस दिन दूध तिल कुश पुष्प गंध मिश्रित जल से पितरों का तर्पण करना चाहिए इस जल से तर्पण करने से पितरों की प्यास बुझती है और अपने कुल परिवार को आशीर्वाद देकर स्वर्ग गमन करते हैं । तो आए हम सब मिलकर बिधि बिधान से पुजा करके अपनें पितरों से आशीर्वाद लेकर विदाई करें। महादेव घाट खारून नदी पर इस विधि विधान के लिए सभी व्यवस्था सुचारू रूप से की जाएगी आप सदस्यों से आग्रह है कृपया आकर इस अंतिम दिन पितरों की विदाई करें ताकि उनको मोक्ष प्राप्त हो और आपके घरों में सुख शांति संपत्ति समृद्धि का आशीर्वाद देकर पितृ और अपने पूर्वज को धुम धाम से विदा करे । पंडित रंजीतानंद मिश्र राजपुरोहित भोजपुरी समाज खारुन महाआरती

मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी ने विधायक पद से दिया इस्तीफा

क्यूँ न लिखूँ सच
पुष्पेंद्र तिवारी

भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से भी दिया इस्तीफा, नारायण त्रिपाठी ने कहा अभी पार्टी का सम्मान करते हुए दिया हु इस्तीफा , आगे की जल्द बनेगी रणनीति ,कांग्रेस में भी जा सकते है नारायण त्रिपाठी ,कांग्रेस शीर्ष नेताओं से बढ़ी नजदीकिया ,16को होगा फाइनल डिसीजन

पैदल गश्त कर सिंघम पुलिस कर्मियों ने लिया सुरक्षा का जायजा,लोगों को दिया सुरक्षा का एहसास

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झाँसी। आगामी त्यौहारों को देखते हुए व जनता कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जनपद के सिंघम लगातार पैदल गश्त कर नागरिकों को सुरक्षा का एहसास कर रहे है. बताते चले कि अपराध एवं अपराधियों पर शिकंजा कसने तथा आम लोगों में पुलिस के प्रति और अधिक विश्वास बढ़ाने के लिए एसएसपी राजेश एस के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा लगातार पैदल गश्त के जनता को सुरक्षा का एहसास दिलाया जा रहा है ।

वही थाना सीपरी बाजार अंतर्गत चमनगंज क्षेत्र में सीपरी बाजार थानाध्यक्ष वेदप्रकाश पांडेय के नेतृत्व में चमनगंज चौकी प्रभारी रविकांत गोस्वामी, पंकज सिंह व अन्य पुलिसकर्मी प्रत्येक रात्रि गस्त कर नागरिकों में मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था का एहसास कराया जा रहा है. सिंघम कहे जाने वाले चमनगंज चौकी प्रभारी रविकांत पुलिस कर्मियों के साथ चौकी क्षेत्र में भीड़-भाड़ वाली जगहों तथा आभूषण आदि की दुकानों पर मौजूद लोगों से बातचीत कर लोगों के प्रति पुलिस के सजग रहने का आह्वान किया। और कहा कि किसी को कहीं पर भी अगर किसी तरह की दिक्कत आए या किसी भी संदिग्ध वस्तु तथा गतिविधि होने की जानकारी मिले। इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे कि पुलिस आवश्यक कदम उठा सके। उन्होंने कहा कि नगर में शांति व्यवस्था को कायम रखने व अपराधों पर अंकुश के लिए प्रतिदिन क्षेत्र में पैदल गश्त किया जा रहा है । पुलिस के पैदल गश्त से जहां असामाजिक तत्वों में हड़कंप मचेगा, वहीं गणमान्य लोगों ने इसे पुलिस का सही कदम बताया है।

अब तक नहीं रखी जा सकी मस्जिद की नींव, पहला नक्शा हो गया था पास, पैसे ना होने से नहीं हो सका निर्माण

राममंदिर निर्माण का सपना अब साकार होने को है। 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है, लेकिन धन्नीपुर में बनने वाली मस्जिद की नींव अब तक नहीं पड़ सकी है। मस्जिद ट्रस्ट के अनुसार, अभी मस्जिद निर्माण शुरू होने में कम से कम छह माह और लग जाएंगे। वजह यह है कि मस्जिद की पुरानी डिजाइन में बदलाव कर दिया गया है। ऐसे में ट्रस्ट अब नए सिरे से नक्शा पास कराने के लिए आवेदन करेगा। एक एकड़ में मस्जिद का निर्माण होगा। शेष चार एकड़ में अस्पताल और लाइब्रेरी बनाई जाएगी। प्रथम तल अगले कुछ महीने में तैयार हो जाएगा। इधर, मस्जिद का नक्शा भी अभी तक पास नहीं हो सका है। पुराने मॉडल पर जो मस्जिद बननी थी, उसका नक्शा विकास प्राधिकरण में स्वीकृत हो चुका है। मस्जिद निर्माण ना हो पाने की दूसरी वजह धन की कमी है। मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष जुफर अहमद फारूकी कहते हैं कि धन के अभाव में मस्जिद निर्माण में देरी हुई है। समाज की मांग पर मस्जिद की डिजाइन व नाम में बदलाव किया गया है। उम्मीद है कि अब मस्जिद के लिए धन की कमी नहीं होगी, लोग खुलकर दान देंगे। छह महीने में काम शुरू हो जाने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद प्रदेश सरकार ने सोहावल तहसील के धन्नीपुर गांव में मस्जिद निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की है। उधर, मंदिर निर्माण का काम पांच फरवरी 2020 को ही शुरू कर दिया गया था। तीन साल में मंदिर निर्माण का 70 फीसदी काम पूरा हो चुका है। तीन मंजिला मंदिर का भूतल तैयार है। प्रथम तल अगले कुछ महीने में तैयार हो जाएगा। इधर, मस्जिद का नक्शा भी अभी तक पास नहीं हो सका है। पुराने मॉडल पर जो मस्जिद बननी थी, उसका नक्शा विकास प्राधिकरण में स्वीकृत हो चुका है। मस्जिद ट्रस्ट को डेवलपमेंट चार्ज देना था, लेकिन धन के अभाव में अब तक विकास शुल्क मस्जिद ट्रस्ट प्राधिकरण को नहीं दे सका। इस बीच मुंबई में हुई एक बैठक में अचानक मस्जिद के नाम व डिजाइन में परिवर्तन का निर्णय लिया गया है।

जल्द बन जाएगी मस्जिद की नई डिजाइन

धन्नीपुर की जमीन पर अब मस्जिद ट्रस्ट मुहम्मद बिन अब्दुल्ला मस्जिद का निर्माण करेगा। इंडो-इस्लामिक कल्चरल फाउंडेशन मस्जिद ट्रस्ट ने मस्जिद के नाम के साथ ही इसका डिजाइन भी बदल दिया है। मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष जुफर अहमद फारूकी ने अमर उजाला को बताया कि समाज की मांग पर मस्जिद की डिजाइन व नाम में बदलाव किया गया है। परिवर्तन के बाद अब तय हुआ है कि इसे मुहम्मद साहब के नाम पर बड़ी मस्जिद का रूप दिया जाए। मस्जिद का निर्माण समाज के चंदे से किया जाएगा। जल्द ही नया नक्शा पास कराकर काम तेज करेंगे। अगले कुछ दिनों में मस्जिद की नई डिजाइन फाइनल हो जाएगी।

एक एकड़ और जमीन खरीदने की योजना

मस्जिद ट्रस्ट के अध्यक्ष जुफर अहमद फारूकी ने बताया कि अभी पांच एकड़ में ही निर्माण करेंगे। उम्मीद है कि एक एकड़ में मस्जिद का निर्माण हो जाएगा। शेष चार एकड़ में शिक्षा केंद्र, सामुदायिक रसोई आदि का निर्माण किया जाएगा। एक कैंसर अस्पताल भी बनाने की योजना है, जहां हर वर्ग के लोगों का निःशुल्क इलाज हो सके। फारूकी के अनुसार मस्जिद निर्माण के लिए हर वर्ग का सहयोग मिल रहा है। यहां तक हिंदू समाज भी सहयोग दे रहा है। नई मस्जिद में ये होगा खास -अब मस्जिद में गुंबदों का भी होगा निर्माण - पांच हजार पुरुष व पांच हजार महिलाएं एक साथ पढ़ सकेंगे नमाज - कैंसर अस्पताल, संग्रहालय, लाइब्रेरी, सामुदायिक किचन बनेगा - रिसर्च सेंटर, शैक्षिक व सामाजिक सुविधाएं भी होंगी

धन की कमी से हुई देरी

धन के अभाव में मस्जिद निर्माण में देरी हुई है। समाज की मांग पर मस्जिद की डिजाइन व नाम में बदलाव किया गया है। उम्मीद है कि अब मस्जिद के लिए धन की कमी नहीं होगी, लोग खुलकर दान देंगे। छह महीने में काम शुरू हो जाने की उम्मीद है।-जुफर अहमद फारूकी, अध्यक्ष मस्जिद ट्रस्ट

सुरेंद्र सिंह गौर ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु गांव-गांव जनसंपर्क किया

क्यूँ न लिखूँ सच
हारून बख्श

फर्रुखाबाद नवाबगंज मे आगामी दिनांक 19 अक्टूबर 2023 को समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव जी के निर्देशानुसार विकासखंड नवाबगंज के ग्राम हईपुर में समाजवादी पार्टी द्वारा लोक जन जागरण एवं बूथ जागरण जनसंवाद कार्यक्रम के प्रमुख एवं अधिकृत विधानसभा 193 अमृतपुर के पूर्व प्रत्याशी/समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव डॉ जितेंद्र सिंह यादव के निर्देशानुसार कार्यक्रम स्थल का अवलोकन कर समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह गौर ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु गांव-गांव जनसंपर्क किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष नवाबगंज अश्वनी यादव ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर कश्यप,बूथ अध्यक्ष वेग गोपेंद्र यादव,बूथ अध्यक्ष हईपुर अरविंद कश्यप,रामदास कश्यप,हरिदास कश्यप, धनपत कश्यप, छोटे कश्यप, संतोष कश्यप आदि लोग मौजूद रहे।

थाने के ठीक सामने दो महिला फरियादियों में आपस में जमकर मारपीट,वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच
नेहा श्रीवास

झॉसी के बरुआसागर से है जहा थाना के मुख्य द्वार के सामने दो फरियादी महिलाओं पक्षों में जमकर मारपीट हो गई,जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जाकर वायरल हो रहा है,मामला हुआ यूं थाना क्षेत्र के इंदिवर नगर निवासी दो महिलाओं का आपस में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था,जिसकी शिकायत करने वह थाना पुलिस के पास जा रही थी,तभी दूसरा पक्ष भी वहीं पहुंच गया,और बात विवाद बड़ते हुए दोनो महिला पक्षों में मारपीट आरंभ हो गई,थाना के ठीक सामने हुए विवाद,मारपीट की घटना की जानकारी पुलिस मौके पर पहुंची,और दोनो पक्षों को शांत किया,थाना प्रभारी अजमेर सिंह भदौरिया ने बताया कि उक्त मामले में मामला दर्ज कर लिया गया है,और विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मौत भी न मार सकी: गंगा नदी में ऐसे हाल में मिली महिला, बेहोश हुई पर डूबी नहीं; गोताखोरों ने बाहर निकाली

कासगंज में कादरगंज पुल के नीचे गंगा नदी के पानी में एक महिला दिखाई दी। दूर से देखने पर लग रहा था कि वो मर चुकी है, लेकिन उसकी सांसे चल रही थीं और वो पानी की ऊपरी सतह पर उतरा रही थी। मार्निंग वॉक पर निकले लोगों ने जब ये दृश्य देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तत्काल महिला को नदी से बाहर निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा। महिला कौन है और कहां से आई इस बारे में जानकारी अभी नहीं मिल सकी है। मार्निंग वॉक पर निकले लोगों ने एक महिला को गंगा नदी में देखा। सूचना पर पुलिस आ गई। महिला को बाहर निकाला गया। उसकी सांसें चल रही थीं। यहां का है मामला गंजडुंडवारा के थाना सिकंदरपुर वैश्य के अंतर्गत कादरगंज के पुल के उस पार एडीएम अब्दुल समद के बंगले के समीप 45 वर्षीय महिला गंगा में उतराती हुई मिली। शुक्रवार की सुबह जब लोग मॉर्निंग वॉक के लिए पुल पर निकले तो पुल के नीचे अर्धनग्न अवस्था में महिला दिखाई दी। लोगों ने सूचना पुलिस चौकी कादरगंज पर दी। चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह ने घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने गोताखोरों की मदद से महिला को नदी से बाहर निकलवाया। वो बेहोश अवस्था में पाई गई। अस्पताल में कराई गई भर्ती चौकी इंचार्ज ने एंबुलेंस को मंगाकर महिला को कादर चौक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया है। महिला की उम्र लगभग 45 साल के करीब बताई गई है। जहां पुल से नीचे महिला पड़ी हुई थी वहां पुल के ऊपर उसकी दोनों चप्पल पड़ी हुईं थीं। पुल के ऊपर मिली चप्पलें- बताया गया है कि जिस पुल के नीचे महिला मिली, उसके ऊपर ही चप्पलें पड़ी हुईं थीं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यहीं से महिला ने छलांग लगाई। वहीं इस मामले में पुलिस का कहना है कि महिला के होश में आने के बाद मामला स्पष्ट हो सकेगा।

सभी दोषियों को दस-दस साल की कैद, जुर्माना भी करना होगा अदा, 13 साल बाद आया फैसला

कारतूस कांड के सभी दोषियों को शुक्रवार दोपहर बाद पुलिसकर्मी जेल से कोर्ट लेकर पहुंचे। इसके बाद उन्हें सजा सुनाई गई। सभी दोषियों को सजा के साथ दस-दस हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। इसके बाद उन्हें सीधे जेल भेज दिया गया। रामपुर के चर्चित कारतूस कांड की 13 साल की सुनवाई और नौ गवाहों की गवाही के बाद आखिरकार 24 दोषियों को दस-दस साल की कैद और 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सहायक शासकीय अधिवक्ता प्रताप सिंह मौर्य ने बताया कि सभी आरोपियों पर सजा समान रूप से चलेगी। सीआरपीएफ हवलदार विनोद कुमार और वीनेश कुमार को आर्म्स एक्ट में सात सात-साल की सजा और दस-दस हजार जुर्माने की सजा सुनाई गई है। इससे पहले कोर्ट ने बृहस्पतिवार को सभी आरोपियों को दोषी करार दे दिया था। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। शुक्रवार दोपहर बाद सभी को जेल से कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद कोर्ट में सुनवाई के बाद उन्हें सजा सुनाई गई। उन पर सरकारी धन को नुकसान पहुंचाने, चोरी की संपत्ति को कब्जे में रखने, आपराधिक षड्यंत्र रचने के साथ ही आर्म्स एक्ट के तहत केस चला। एसटीएफ को दंतेवाड़ा में हुए नक्सली हमले में सीआरपीएफ के जवानों के शहीद होने के बाद खुफिया जानकारी मिली थी कि हमले में इस्तेमाल की गईं कारतूस रामपुर से भेजी गई थी। सूचना के आधार पर एसटीएफ लखनऊ की टीम ने रामपुर में 29 अप्रैल 2010 को छापेमारी की थी।एसटीएफ ने राम रहीम पुल के पास से प्रयागराज निवासी पीएसी के रिटायर्ड दरोगा यशोदानंदन, सीआरपीएफ के हवलदार विनोद कुमार व विनेश को गिरफ्तार किया था। इनके कब्जे से 1.75 लाख की नकदी, खोखा, कारतूस व हथियारों का जखीरा बरामद किया था। इसी दिन मुरादाबाद से पीटीसी में तैनात नाथीराम सैनी को भी गिरफ्तार किया था।

देश बजाओ संविधान बचाओ साइकिल यात्रा पूर्व मंत्री एसपी यादव बलरामपुर में झंडी दिखाकर किया रवाना

क्यूँ न लिखूँ सच
अरविंद कुमार यादव

श्रावस्ती - समाजवादी पार्टी देश बचाओ संविधान बचाओ साइकिल यात्रा बर्मा गेस्ट हाउस थाना क्षेत्र नवीन मॉडर्न श्रावस्ती से लगभग 100 की संख्या लगभग चार या पांच की संख्या में चार पहिया वाहनों के साथ अभिषेक यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष लोहिया वाहिनी तथा जिला अध्यक्ष सरबजीत यादव श्रावस्ती पूर्व मंत्री एसपी यादव बलरामपुर पूर्व प्रत्याशी असलम वाहिनी अभिषेक मिश्रा उर्फ मुन्ना भैया ओंकार पटेल आदि लोग सम्मिलित रहे साइकिल यात्रा

3=00 सेमरी तिराहा होते हुए हॉस्पिटल तिराहा से ईदगाह चौराहा पहुंचकर 15 मिनट भाषण के उपरांत साइकिल यात्रा बहराइच के लिए रवाना हुई जिसमें मुख्य रूप से विधायक इंद्राणी वर्मा सर्वजीत यादव जिला अध्यक्ष वह सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता सम्मिलित रहे

अजब गजब कारनामे विकासखंड चितरंगी के आठ साल से घर बैठकर ले रहीं वेतन शिक्षिका

क्यूँ न लिखूँ सच -मानस मिश्रा

विभाग की मिली भगत से चल रहा बड़ा घोटाला शिक्षक और शिक्षा के दम पर किसी की समाज की दशा और दिशा तय होती आइ है। विद्यालय में एक भी दिन उपस्थित हुए बिना वेतन उठा रहे शिक्षक। मामला चित रंगी विकास खण्ड के कन्या संकुल अंतर्गत शाला बे लौ ही का है जहां प्राथमिक शाला में कार्यरत शिक्षिका पिछले 8 साल से विद्यालय में उपस्थित हुए बिना वेतन उठा रहीं हैं। बताया गया कि उनकी मेडिकल कंडीशन ठीक नहीं है जिसके वज़ह से विद्यालय आए बिना सरकारी वेतन उठा रही है ।

जिसमें संकुल प्राचार्य से ले कर विकास खंड स्तर और इससे ऊपर शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी लिप्त है। सूत्रों के मुताबिक सभी अधिकारियों को बदले में मोटी रकम मिलती है जिसके वज़ह से सब मिल कर 8 साल से इतने बड़ी लीपा पोती को अंजाम दे रहे है। अधिकारियों के पास इस मुद्दे का कोई ठोस उत्तर नहीं है। सरकार शिक्षको के मानदेय मे लगातार बढोत्तरि कर रही है की देश का सुनहरा भविष्य इनके हाथो मे है लेकिन यहा स्थिति इससे इतर है। और इतना ही नही तीन तीन साल के बच्चों का दाखिला विद्यालय में कर दिया गया है जबकि तीन साल के बच्चों का दाखिला आगनवाड़ी में होता है अजब गजब कारनामे है बता दे चितरंगी शिक्षा विभाग अतयंत लाचार है संकुल प्राचार्य हो या इूद्रश्य सब के सब अपने कार्यालय मे आराम फर्माते रहते है कभी निरिक्षण नही करते और ना ही कर्मचारियो पे इनकी अदप है। आए दिन विद्यालयों में कोई न कोई लीपापोती प्रकाश में आती ही है। उक्त विद्या लय के प्रभारी राजू कोल विद्यालय से गायब रहते है बदले में गांव का एक शिक्षित युवा सुनील साकेत विद्यालय चलाता पाया गया।अब देखना यह है विभाग कुछ कार्यवाही कर ता है या यू ही मामला चलता रहेगा।

Lie to save the relationship or tell the bitter truth? Know the effect of both

In any relationship, you want the other person to be happy and his feelings not to be hurt, even if you have to tell a lie. But is it correct? Truth is an important foundation of every relationship and everyone wants their partner to be truthful to them. But studies show that many people sometimes lie to keep relationships going. According to a study by Oxford University, people often lie because they do not want to hurt their partner's feelings. There is a feeling of security and protection behind this lying, the purpose of which is to make relationships stronger and happier. Psychologist Robin Dunbar has also said that lying does not hurt feelings, which helps in keeping relationships stable and sweet. But it is also important that lies should not have a negative impact and the truth should always be kept important. What are the reasons Correct communication is important for a successful and healthy relationship. The potential for conflict increases when people do not share their feelings, joys and challenges. As a result, people do not act at the right time to solve problems, which can complicate the relationship. Trust is extremely important in a successful relationship. When someone has doubts about his partner, the relationship starts weakening. This can reduce a person's self-confidence and he starts hiding things from his partner. Many times people think that they should always keep their partner happy, for this they lie, so that the partner's feelings are not hurt, but this can upset the balance between truth and lies. The importance of communication skills in a relationship also cannot be ignored. If someone does not have the right communication skills, he or she will not know the right way to share feelings and happiness, which can also lead to conflict. What is the impact No matter the reason for lying, even if it is for the happiness of the partner. No matter what, it can have a negative impact on the relationship. For example, lying can lead to lack of trust in relationships. When your partner comes to know that you are lying to him, his feeling of distrust towards you increases. When the number of mutual disputes increases manifold, partners resort to lies because they think that this can prevent many more disputes. But lying can make it difficult to regain trust. Lies can lead to more tension and irritation in relationships, which can escalate conflict. The truth is like a diamond. Family relationship counselor Shobhana says, in any relationship, the truth makes you transparent. No relationship can survive without truth. It is prevalent in the public mind that the truth is bitter. But it is not necessary that what is bitter is the truth. Truth is a diamond, which becomes more beautiful when cut. To run relationships properly, it is important to take care of some things like being open in communication, talking openly and telling each other what is in your heart and apart from this, by talking on time, you can quickly understand the problems and solve them. Solution should be found. The most important thing in all this is that you maintain trust and cooperation towards each other and always support your partner.

Sabudana is full of nutritional properties, beneficial from boosting energy to digestion.

Sabudana Benefits: Sabudana, rich in nutrients, is considered very beneficial for health. Often people like to eat it during fasting. It supplies energy to the body. You can also prepare sweet or salty dishes using it. Apart from being delicious to eat, it also helps in eliminating many health related problems. Sago contains high amount of carbohydrates. Eating this removes weakness from the body. Sabudana is a great food option for weight gain. Sabudana is one of the most consumed foods during any fast. Many types of recipes like khichdi, tikki, laddu etc. are made from it, which are very tasty, apart from this they are also very beneficial for health. Navratri festival is going to start in just a few days. Mother Durga is worshiped in this festival. Many people also fast for nine days. If you are also observing Navratri fast this time, then you can make sago a part of your diet, which will provide many benefits to your

body. So let us know, what are the benefits of eating sago. Helpful in gaining weight: If you are thin and want to gain weight, then you can include sago rich in carbs in your diet. If you eat this regularly, your weight will increase rapidly. To gain weight, you can eat milk and sago in breakfast. Improves digestion: Digestive problems are common these days. Sabudana can help you in getting rid of this. This makes it easier to digest. It also makes the process of bowel movement easier. People who have constipation problem must include sago in their diet. This also promotes intestinal health. Rich in nutrients beneficial for bones, sago helps in strengthening the bones. Calcium and magnesium are found in abundance in these small grains, which keep your bones healthy. If you eat dishes made from sago daily or eat it with milk, the risk of osteoporosis and arthritis can be reduced. Makes the body energetic: Sabudana has high amount of carbs. If you have problem of fatigue and weakness, then eat sago mixed with milk. Eating this can remove weakness. Beneficial for high BP patients: In today's time, the problem of high BP is becoming common. To normalize BP level, people take the help of many home remedies and medicines. You can control high BP by including some things in your diet. In such a situation, sago can prove beneficial for you. It helps in controlling your blood pressure.

Do not keep these fruits and vegetables with you even by mistake, they will spoil even in the fridge.

Nowadays, it is often seen that due to lack of time, people bring a week's worth of fruits and vegetables at once. All these are brought together and kept in the fridge. People believe that vegetables remain fresh for a longer time in the refrigerator and are protected from rotting. By doing this people's problems become easier. But, do you know that there are some fruits and vegetables which start rotting quickly if kept together. Actually, different types of enzymes and chemicals are found in many fruits and vegetables. This is the reason why, if these vegetables and fruits are kept together, they start important for everyone to know which separately. Do not keep broccoli with these ethylene sensitive. If you keep it with fruits reduced by 50 percent. By keeping it in for only two or three days. Keep leafy vegetables are available in abundance in containing ethylene like watermelon, quickly. Bottle gourd should also be kept available as soon as the summer season with fruits like apple, grapes, figs and gourd will start spoiling quickly. Do these needed to keep cabbage fresh. Therefore, like apple, melon, kiwi.Nowadays, it is bring a week's worth of fruits and together and kept in the fridge. People

rotting quickly. In such a situation, it is very types of vegetables and fruits should be kept fruits – If we talk about broccoli, it is like apple, fig and grapes, its life gets the fridge like this, broccoli remains fresh vegetables away from these fruits – Leafy this season. If you keep them with fruits grapes, apples, then they will start rotting separately – Bottle gourd starts becoming arrives. They should not be kept in a basket pears. If you keep them together then bottle things to keep cabbage fresh. Fresh air is never keep it with ethylene producing fruits often seen that due to lack of time, people vegetables at once. All these are brought believe that vegetables remain fresh for a longer time in the refrigerator and are protected from rotting. By doing this people's problems become easier. But, do you know that there are some fruits and vegetables which start rotting quickly if kept together. Actually, different types of enzymes and chemicals are found in many fruits and vegetables. This is the reason why, if these vegetables and fruits are kept together, they start rotting quickly. In such a situation, it is very important for everyone to know which types of vegetables and fruits should be kept separately. Do not keep broccoli with these fruits – If we talk about broccoli, it is ethylene sensitive. If you keep it with fruits like apple, fig and grapes, its life gets reduced by 50 percent. By keeping it in the fridge like this, broccoli remains fresh for only two or three days. Keep leafy vegetables away from these fruits – Leafy vegetables are available in abundance in this season. If you keep them with fruits containing ethylene like watermelon, grapes, apples, then they will start rotting quickly. Bottle gourd should also be kept separately – Bottle gourd starts becoming available as soon as the summer season arrives. They should not be kept in a basket with fruits like apple, grapes, figs and pears. If you keep them together then bottle gourd will start spoiling quickly. Do these things to keep cabbage fresh. Fresh air is needed to keep cabbage fresh. Therefore, never keep it with ethylene producing fruits like apple, melon, kiwi.

Shocking film that exposes social evils, accurate satire seen in Rakesh's film

The trailer of director Rakesh Chaturvedi Om's third film 'Mandali', an accomplished theater artist and actor who is constantly in the limelight due to his experimentalism in cinema, is out. Watching this trailer released on Zee Music's YouTube channel shows that cinema's intention of uncovering the truth by unmasking social anomalies has not yet reached Hindi

film directors as well. Rakesh's film attacks those practices due to which the fundamental nature of folk arts is being threatened. As it has now become a trend in small towns across the country, many times during Ramlila, organizers resort to activities for financial gain. Item songs have started being introduced. After witnessing one such Ramlila, Rakesh has made this topic the center point of his next film. In the trailer of the film 'Mandali', through a love story, he has brought forward the serious issue like obscene dance in Ram Leela with a very accurate sarcasm. This film, directed by Rakesh Chaturvedi Om, will be released on October 27 in which actor Rajneesh Duggal. Will be seen in the role of a crooked and powerful politician. Besides, it also stars actors Bijendra Kala, Aanchal Manjul and Abhishek Duhan in lead roles. Rakesh says, 'The film 'Mandali' is the story of the experiences that I have seen during Ramlila in small towns of the country. Ram Katha is a part of the life of this country and if someone tries to infect this part then it is necessary to expose it. In the trailer of the film 'Mandali', the audience is given a glimpse of the life of Ramleela artiste Purushottam Chaubey alias 'Puru' played by Abhishek Duhan. A small glimpse can be seen. For Puru, who plays the role of Laxman in Ramleela every year, this character is bigger than his own life. In this social struggle to maintain his purity towards the character, he breaks down badly, but on the strength of his unwavering faith, he emerges again and sets an example that surprises everyone. Actress Aanchal Munjal will be seen as Puru's love interest in this film. Actors like Vineet Kumar, Kanwaljit Singh, Alka Amin, Ashwath Bhatt, Saharsh Shukla and Neeraj Sood will also be seen in the film 'Mandali'. According to director Rakesh Chaturvedi Om, this film is a unique effort by his entire team to present a serious issue to the audience through simple humor. In the present era of films full of action and excitement, this film will work to change the taste of the audience.

Business of 'Fukrey 3' continues in crores, now lottery will be held on 'National Cinema Day'

Fukrey 3 Box Office Collection Day 15 Pulkit Samrat Richa Chadha Pankaj Tripathi and Varun Sharma starrer Fukrey is doing business in Rs 3 crores. The collection of the film is increasing everyday. Now Fukrey 3 is also going to get the benefit of National Cinema Day 2023. With this, the business of Fukrey 3 is sure to increase. Seeing the hold of Fukrey 3 at the box office, it is expected that it will become a superhit. It has been 15 days since the film was released and has done good business in just two weeks. Now Fukrey 3 is also going to get

huge benefit from National Cinema Day 2023. Fukrey 3 made fast collection in the first week. At the same time, there was a slight decline in the film's business in the second week. Now the third week of Fukrey 3 has started, which can be much better for the film, because along with National Cinema Day (National Cinema Day 2023), the weekend is also going to be benefited. First week of Fukrey 3: Talking about the business report of Fukrey 3, the film opened with 8.82 crores. After this, the film earned Rs 43.48 crore on the first weekend. At the same time, with the completion of the first week, 66.02 crores came into the account of Fukrey 3. Talking about the latest collection of the second week of Fukrey 3, the film is now moving towards 100 crores. At the beginning of the second week i.e. on Monday, the film earned Rs 1.41 crore. At the same time, the business on Tuesday was 1.23 crores and on Wednesday it was 1.14 crores. According to initial data, Fukrey 3 did decent business on Thursday also. According to Sacnilk report, the film has earned around Rs 1 crore on October 12. With this, Fukrey 3 has earned 81.24 crores at the domestic box office in 15 days. 1 day - 8.82 crores 2 days - 7.81 crores 3 days - 11.67 crores 4 days - 15.18 crores 5 days - 11.69 crores 6 days - 4.11 crores 7 Days- 3.62 Crore 8 Days- 3.12 Crore 9 Days- 2.31 Crore 10 Days- 4.02 Crore 11 Days- 4.11 Crore 12 Days- 1.41 Crore 13 Days- 1.30 Crore 14 Days- 1.14 Crore 15 Days- 1.00 Crore

The story of India just before the temple movement, understand who changed the thinking of an entire generation

Shiladitya Bora's name may be unfamiliar to the common film audience, but for independent film producers and directors, he has been no less than Hanuman ji, who brought Sanjeevani Booti. Shiladitya's height and physique is also similar. Some seven-eight years ago, when there was a wave of independent filmmakers in the country, Shiladitya, in collaboration with PVR, started a series called 'Director's Rare' to showcase these small budget but plot-rich stories in multiplexes. . Later, he played a catalytic role in the production of films like 'Masaan' and 'Newton'. And, now he himself is on the other side of the table as a director, with a film that forces the viewers to think that whatever happens in the society, what effect does it have on the child's mind? Is whatever has been served or is being served on television, not changing the thinking of an entire generation in the country? And, what kind of change is this? India before the Ram Mandir movement. It is true that the idea of promoting cinema as a soft power has come to the policy makers a little late. The cinema of China, Russia and America has been doing this work for years. His aim is to disseminate his policies throughout the world. The films of these countries create such an image of their

institutions in front of the world that the enemy gets scared just by watching the film. It is a far cry from coming forward and offering your hands. But, these spells sometimes get broken, like the spell of Mossad was broken by the recent terrorist attacks. Well, without going that far, let us go to a village in the country shown in the film 'Ab To Sab Bhagwan Bharose' where electricity has just reached. The villagers consider it their right to light the electricity by putting 'Katiya' and worshiping after the telecast of Mahabharata starts is a weekly event. This story is from the period of 1989 when a strong desire to protect religion started gaining strength in the country. People are 'collecting' donations to build the temple on the way and are talking about building the temple at every step. Children set out to hunt 'demons'. The film 'Ab To Sab Bhagwan Bharose' is the story of two children. Sitting on the well in the village, both of them are discussing about the world of snakes and the world of hell. I don't feel like studying in school. When the question of solar eclipse comes to the senior officer of the district, the elder child forgets about the relative motion of the Earth and the Moon and starts explaining the story of Rahu and Ketu. It is not the child's fault because the Pandit ji of the village from whom he got his primary education, taught the same thing in the class. Pandit ji teaches many more things. As soon as the story of Satyanarayan is completed, she calls her husband's arrival from Bombay to the village a miracle of religion. But they are not able to tell Bokaro Baba that what is the story which is mentioned again and again in the five chapters of Satyanarayan Katha? Religion is a question of faith and where there is faith, what is the need for questions? Both the children of the house have become completely 'religious'. The only information they have about the villages of Muslims living in the neighborhood is that demons live there. So he sets out with a bow and arrow in his hand to kill the demon. The only problem is that Panditji is not teaching the mantras which are used to shoot arrows in the serial 'Mahabharata'..! The underlying story of this story is serious! This story is written by Sudhakar, set in the background of the early days of the Ram Janmabhoomi movement. Sudhakar Neelmani has also written its script along with Mohit Chauhan. The children who grew up in that period still remember the incidents ranging from Shilapujan to hoisting the saffron flag on homes. There was no disturbance among the people living lovingly in villages with mixed population even till the advent of 'Ramayana' and 'Mahabharata'. But, what happened was that gradually a crowd started forming behind those who were telling the same stories in their different form, so much so that the matter reached till 6th December. The film 'Ab To Sab Bhagwan Bharose' does not show the entire crop, but yes, the system by which this crop flourished, the farming and the inspection of its seeds, is done very well by Shiladitya Bora in his film. The good message reached the theaters on a small budget. The film is 'Ab To Sab Bhagwan Bharose', so obviously the actors are also not in very famous films. The presence of Vinay Pathak and Manu Rishi Chadha may not arouse the desire of watching the film in the common audience, but the advantage of the presence of these two is that at least the discerning cinema audience gets attracted towards it. It is Shiladitya's own glory that a cinema chain like PVR has agreed to release his film. And, if after watching this film there is some impact on the thinking of a few people, then Shiladitya's hard work has been successful. The success of this film, which won awards in the country and abroad, is not as important as whether it is seen by more and more people in the country in theatres, OTT or on TV channels. Shiladitya has taken a big responsibility on the delicate shoulders of Satendra in the film. Have worked very hard. By teaching acting to the students of the upgraded primary school of Liludih, he has made them act in films. In Deoghar, where the film has been shot, many local people have also become actors of the film. Satendra Soni, who plays Bhola, is the real hero of the film. Satendra, who has included the mischievousness, mischievousness and mischievousness of childhood in his acting, has brilliantly played the role of a teenager who grows up in half pants. These days, many who have become leaders of a particular organization in villages, villages and cities have spent their childhood in this role.Will be visible. If Bhola is the leader of the extremist group then his younger brother Shambhu is a moderate. What the climax of the film hints at is another bitter truth of social dissonance. Vinay Pathak has become the maternal grandfather of these children. Vinay has performed very smoothly in the role of Nana Babu, who feeds flour pellets to the fishes and explains the meaning of TV and antenna to the villagers. The captivating acting of Mausham and Manu - the acting of two actors in the film 'Ab To Sab Bhagwan Bharose' Particularly worth noting. Firstly, Manu Rishi Chadha who played Bokaro Baba is in the role of a guest artist in the film but whenever he appears on screen, he brightens up the film. This character is a bit like those leftists whom the rightists now consider untouchable. The village priest even draws a line outside the house and asks him to stay outside it. That too outside the house of the person who had convinced him to take part in the story of Satyanarayan. And, the second artist who can further illuminate the cinema with the heat of this film is Moushumi Makhija. Moushumi, who was seen as Abbaji's daughter in Vishal Bhardwaj's film 'Maqbool' 20 years ago, is from a filmy family, but it is surprising to see why despite acting so naturally, she is not in the focus of Hindi cinema. Such an emotional face is what today's digital stories need. Moushumi has acted wholeheartedly in the role of a mother of two children and has won the hearts of the audience. Cinematography impressed - Technically the film 'Ab To Sab Bhagwan Bharose' impresses a lot with its photography.